चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 88, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 27 अप्रैल 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

नक्सली आईईडी विस्फोटः 10 जवान शहीद

एक वाहन चालक शहीद, धमाके से हुआ गहरा गड्ढा, जीप के उड़े परखच्चे...

दंतेवाड़ाः छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के आईईडी धमाके में डीआरजी के 10 जवान और एक वाहन चालक शहीद हो गए। बस्तर आईजी सुंदर राज पी. ने घटना की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक थाना अरनपुर क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर दंतेवाड़ा से डीआरजी बल को नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजा गया था। अभियान के बाद वापसी के दौरान नक्सलियों ने दंतेवाड़ा के अरनपुर मार्ग पर सुरक्षाबलों के वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया। इस शक्तिशाली विस्फोट में अभियान में शामिल रहे डीआरजी के 10 जवानों में प्रधान आरक्षक क्रमांक 74 जोगा सोढी, प्रधान आरक्षक क्रमांक 965 मुन्ना राम कड़ती, प्रधान आरक्षक क्रमांक 901 संतोष तामो, नव आरक्षक क्रमांक 542 दुल्गो मण्डावी, नव आरक्षक क्रमांक 289 लखमू मरकाम, नव आरक्षक क्रमांक 580 जोगा कवासी, नव आरक्षक क्रमांक 888 हरिराम मण्डावी, गोपनीय सैनिक राजू राम करटम, गोपनीय सैनिक जयराम पोडियाम, गोपनीय सैनिक जगदीश कवासी और निजी वाहन चालक धनीराम यादव शहीद हो गये। विस्फोट इतना जबर्दस्त था कि जिस जगह पर आईईडी विस्फोट किया गया, वहां बड़ा गड्ढा बन गया है। वहीं, जिस पिकअप वाहन से जवान जा रहे थे, धमाके में उसके परखच्चे उड़ गए।

नक्सली हमले के बाद शाह ने की बघेल से बात

नई दिल्लीः छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बुधवार को एक नक्सली हमले में 10 जवान शहीद हो गए। आईईडी धमाके में एक नागरिक के भी मारे जाने की खबर है। सभी जवान डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बात की। उन्होंने दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर के पास नक्सली हमले में वीर गति को प्राप्त 10 डीआरजी (जिला रिजर्व गार्ड) जवानों की जानकारी ली। उन्होंने छत्तीसगढ़ सीएम को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

आमने-सामने की लड़ाई से भाग रहे हैं नक्सली

दंतेवाड़ाः देश में नक्सलियों के सामने नई भर्ती का संकट खड़ा हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल तक कह चुके हैं कि अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अंतिम लड़ाई है। माओवादी गतिविधियां, आखिरी चरण में हैं। इस वजह से नक्सली बौखलाहट में हैं। वे किसी भी तरह से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं। पिछले कुछ समय से नक्सली दस्ते आमने-सामने की लड़ाई से भाग रहे हैं। उन्हें मालूम है कि सुरक्षा बलों के साथ सीधी लड़ाई में वे बच नहीं सकेंगे। इसी वजह से माओवादियों ने अब 'आईईडी' ब्लास्ट पर फोकस किया है। इसे किसी भी जगह पर दबा दिया जाता है। कोई भी दूर बैठा व्यक्ति इसे संचालित कर सकता है। सीआरपीएफ द्वारा गत वर्षों में हजारों 'आईईडी/टिफिन' बम बरामद किए गए हैं।

आईईडी विस्फोट तकनीक का इस्तेमालः देश में करीब छह सौ से अधिक ब्लास्ट मामलों की जांच कर चुके एक अनुभवी बैलिस्टिक एक्सपर्ट कहते हैं कि आजकल नौसिखिये आतंकी और नक्सली 'आईईडी/टिफिन' बम का इस्तेमाल करने लगे हैं। कश्मीर, पंजाब, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों या उत्तर पूर्व में जितने भी राष्ट्र विरोधी समूह सक्रिय हैं, अब वे सीधे तौर पर सुरक्षा बलों के साथ टकराने से बचने लगे हैं। अगर कहीं पर एंबुश (घात लगाकर हमला करना) होता है, तो भी उसमें विस्फोटकों का ही अधिक इस्तेमाल होता है। सीधी मुठभेड़ में उन्हें सुरक्षा बलों के हाथों भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसके चलते अब माओवादी संगठन, आईईडी विस्फोट तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भारी संख्या में ऐसे विस्फोटक तैयार कराए जा रहे हैं।

शाह ने कही यह बातः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि दंतेवाड़ा में छत्तीसगढ़ पुलिस पर हुए कायरतापूर्ण हमले से क्षुब्ध हूं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से बात की है और राज्य सरकार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। शहीद जवानों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

प्रदेशवासी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैंः इससे पहले सीएम बघेल ने बताया कि दंतेवाड़ा के थाना अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान के लिए पहुंचे डीआरजी बल पर आईईडी विस्फोट से हमारे 10 डीआरजी जवान एवं एक चालक के शहीद होने का समाचार बेहद दुखद है। हम सब प्रदेशवासी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके परिवारों के साथ दुःख में हम सब साझेदार हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

सौ मील दूर बैठकर किया जा सकता है विस्फोट

छत्तीसगढ़ में तैनात सुरक्षा बलों के एक बड़े अधिकारी का कहना है कि अब सीधी मुठभेड़ का दौर खत्म हो चला है। आईईडी तकनीक के द्वारा लगभग सौ मील दूर बैठकर विस्फोट किया जा सकता है। ऐसे में नक्सली, सुरक्षा बलों के सामने मरने के लिए क्यों आएंगे। आईईडी विस्फोट करने में टाइमिंग बहुत अहम पॉइंट है। एक्सपर्ट व्यक्ति ही इसे सुरक्षित तरीके से ब्लास्ट कर सकता है। भले ही देश में उच्च विस्फोटक जैसे आरडीएक्स/पीईटीएन आसानी से नहीं मिलते हैं, लेकिन कम क्षमता वाले विस्फोटक पोटाशियम, चारकोल, आर्गेनिक सल्फाइड, नाइट्रेट और ब्लैक पाउडर आदि से आईईडी और टिफिन बम तैयार कर लिए जाते हैं। छत्तीसगढ़ में तो पीडब्ल्यूडी एवं माइनिंग विभाग, कई तरह के विकास कार्यों में जिलेटिन स्टिक का इस्तेमाल करते हैं। इसकी मदद से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस 'आईईडी', टिफिन बम और दूसरे तरह के प्रेशर बमों को तैयार किया जा सकता है।

भारत विविधता को विशेषता के रूप में जीने वाला देशः मोदी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सौराष्ट्र तमिल संगमम के समापन समारोह को संबोधित किया। साथ ही उन्होंने श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सौराष्ट्र तमिल संगम प्रशस्ति पुस्तक का विमोचन किया। गुजरात में आयोजित किए गए इस 10 दिवसीय सम्मेलन में 3000 से अधिक लोग एक विशेष ट्रेन सौराष्ट्री इन तमिल से सोमनाथ आए थे। सौराष्ट्र तमिल संगमम का आयोजन 17 अप्रैल से शुरू हुआ था जिस का समापन आज 26 अप्रैल को सोमनाथ में हुआ है।

कार्यक्रम में वर्चुअली उपस्थित हुए पीएमः पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा, मैं गद-गद हृदय से आज तमिलनाडु से आए अपनों के बीच वर्चुअली उपस्थित हूं। इतनी बड़ी संख्या में आप सब अपने पूर्वजों की धरती पर आए हैं, अपने घर आए हैं। आपके चेहरों की खुशी को देखकर मैं कह सकता हूं कि आप अनेक यादें और भावुक अनुभव यहां से लेकर जाएंगे। इस महान सौराष्ट्र-तमिल संगमम के माध्यम से, हम अतीत की अमूल्य स्मृतियों को फिर से देख रहे हैं, वर्तमान की आत्मीयता और अनुभवों को देख रहे हैं, और भविष्य के लिए संकल्प और प्रेरणा ले रहे हैं। वहीं, पीएम ने यह भी कहा कि भारत विविधता को विशेषता के रूप में जीने वाला देश है। हम विविधता को मनाने वाले लोग हैं। हम अलग-अलग भाषाओं और बोलियों को, कलाओं और विधाओं को मनाते हैं। हमारी आस्था से लेकर आध्यात्म तक, हर जगह विविधता है। हमारी ये विविधता हमें बांटती नहीं है बल्कि हमारे बंधन को मजबूत बनाती है। ऐसी है हमारे देश की खूबसूरती है। भारत विविधता को विशिष्टता के रूप में जीने वाला देश है।

सांस्कृतिक टकराव नहीं तालमेल पर दें बलः पीएम ने कहा कि हमें सांस्कृतिक टकराव नहीं तालमेल पर बल देना है। हमें संघर्षों को नहीं संगमों और समागमों को आगे बढ़ाना है। हमें भेद नहीं खोजने... भावनात्मक संबंध बनाने हैं। यही भारत की वो अमर परंपरा है जो सबको साथ लेकर समावेश के साथ आगे बढ़ती है, सबको स्वीकार कर आगे बढ़ती है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड: यूपी सरकार ने कैविएट दाखिल की

नई दिल्लीः अतीक-अशरफ हत्याकांड में उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दाखिल की है। इस मामले को लेकर 28 अप्रैल को सुनवाई होगी। बता दें कि 15 अप्रैल को पुलिस की मौजूदगी में माफिया भाइयों अतीक और अशरफ की हत्या की गई थी। इसी की जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग वाली याचिका पर यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट अर्जी दाखिल की है।

'सच्ची प्रगति हमेशा जन-केंद्रित होती हैः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को चिकित्सा के क्षेत्र में अंत्योदय का संदेश देते हुए कहा कि सच्ची प्रगति जन-केंद्रित होती है। चिकित्सा विज्ञान में कितनी भी प्रगति क्यों न हो जाए, अंतिम व्यक्ति तक उसकी पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई दिल्ली के प्रगति मैदान में वन अर्थ वन हेल्थ - एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान भारत की प्राथमिकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हम असमानता को कम कर, सेवा से वंचित लोगों की सेवा करना चाहते हैं। आगे उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक विश्वसनीय भागीदार के तौर पर भारत ने कई देशों की आवश्यकता को समझा है। हमें गर्व है कि टीकों और दवाओं के माध्यम से जीवन बचाने के महान मिशन में हम कई देशों के भागीदार बने हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के लिए वैश्विक प्रतिक्रिया को अलग नहीं किया जा सकता है। यह एकीकृत, समावेशी और संस्थागत प्रतिक्रिया का समय है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान यह भारत की प्राथमिकता के क्षेत्रों में से एक है। हमारा लक्ष्य न केवल नागरिकों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और सस्ता बनाना है। उन्होंने कहा कि दुनिया तनाव और जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों का समाधान तलाश रही है। भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बहुत सारे उत्तर हैं। इस दौरान उन्होंने श्रीअन्न का भी उल्लेख किया, जो भारत के पारंपरिक आहार का हिस्सा है ।

बुलेट ट्रेन सेवा से भी जुड़ेगा उप्र का मेडिकल डिवाइस पार्क

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार उत्तर प्रदेश को मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री का हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। गौतमबुद्ध नगर में यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सेक्टर 28 में 350 एकड़ में बन रहे मेडिकल डिवाइस पार्क को बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। जहां मेट्रो, एक्सप्रेस-वे, ट्रांसपोर्ट नगर ही नहीं बुलेट ट्रेन की कनेक्टिविटी के साथ भी जोड़े जाने की तैयारी है। मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए अबतक 59 भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। वहीं बुधवार को 26 आवंटियों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से आवंटन पत्र व चेकलिस्ट और लीज प्लान सौंपे गये हैं।

विश्वस्तरीय सुविधाओं का निर्माणः यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि भूखंडों के आवंटियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें उन्हें भूमि आवंटन से संबंधित पत्र सौंपे गये हैं। उन्होंने बताया कि मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के।

देश के हर नागरिक को प्रेरणा देने का कार्यक्रम है 'मन की बात' : शाह

नई दिल्लीः केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि 'मन की बात' देश के हर नागरिक को प्रेरणा देने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में देश के लगभग सभी हिस्से और मुद्दों को लेकर बात की। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राष्ट्रीय कॉन्क्लेव : मन की बात@100 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के छोटे-छोटे प्रयासों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में साझा किया। इससे लोगों का उत्साह बढ़ा। 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने आकाशवाणी को फिर से लोगों के बीच लोकप्रिय बना दिया। उन्होंने आगे कहा कि निन्यानवे 'मन की बात' कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने इस कार्यक्रम में एक भी बात राजनीतिक की नहीं की। उनकी इस संवाद शैली का पूरा देश कायल है। आगे गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण से देश को मुक्त कराया। पहले पद्म पुरस्कारों पर राजनीति होती थी, लेकिन आज समाज में अच्छे काम करने वालों को यह पुरस्कार पारदर्शी तरीके से दिया जा रहा है। शाह ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम 23 भाषाओं और 29 बोलियों सहित 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित किया जाता है। कोरोना महामारी के खिलाफ दुनिया की सरकारों ने लड़ाई लड़ी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह लड़ाई देश की जनता के साथ मिलकर लड़ी, इसलिए हम जीत गए।

आगे उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में 700 लोग और 270 संगठनों के कार्यों को साझा किया। इससे लोगों में कुछ करने की उम्मीद जगी है। इस कार्यक्रम के जरिये कोरोना वारियर्स का मनोबल बढ़ाया। कुपोषण माह मनाने से लेकर विकलांग को दिव्यांग कहकर उन्हें आदर दिया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्मारक डाक टिकट व सिक्के का भी विमोचन किया।

समलैंगिक विवाह का मामला संसद पर छोड़ देंः केंद्र

नई दिल्लीः केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि सेम जेंडर मैरिज को कानूनी मंजूरी देने की मांग वाली याचिकाओं पर उठाए गए सवालों को संसद पर छोड़ने पर विचार किया जाए।

बेहद ही जटिल मुद्दे से निपट रही सुप्रीम कोर्टः

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत एक बेहद ही जटिल मुद्दे से निपट रही है, जिसका सामाजिक प्रभाव काफी गहरा है। इसी तुषार मेहता ने कहा कि असम सवाल तो यह है कि शादी आखिर किससे और किसके बीच होगी ? इस पर फैसला कौन करेगा। आपको बता दें कि संविधान पीठ के सदस्यों में न्यायमूर्ति हिमा कोहली, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एस आर भट भी शामिल हैं। तुषार मेहता ने कहा कि इसका कई अन्य कानूनों पर भी प्रभाव पड़ेगा, जिसको लेकर समाज में और विभिन्न राज्य विधानसभाओं में भी बहस की जरूरत होगी। मामले की सुनवाई चल रही है।

चौथे दिन हाइब्रिड तरीके से हुई थी सुनवाईः सेम जेंडर मैरिज से जुड़ी याचिकाओं की चौथे दिन हाइब्रिड तरीके से सुनवाई हुई थी, क्योंकि न्यायमूर्ति एस आर कोरोना की चपेट में आ गए थे। ऐसे में चौथे दिन न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एस आर भट वर्चुअल तरीके से शामिल हुए थे। प्रधान न्यायाधीश ने खुद इसकी जानकारी दी थी। इस मामले की सुनवाई के पहले दिन 18 अप्रैल को केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि अदालत इस सवाल पर विचार कर सकती है या नहीं, इस पर प्रारंभिक आपत्ति पहले सुनी जानी चाहिए।

अतीक दफ्तर में मिली लाश! इंसानी खून के ही थे धब्बे

लखनऊः उमेश पाल हत्याकांड में फरार माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता और बमबाज गुड्डू मुस्लिम का अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन की तलाश में मंगलवार को उसके देवर अशरफ की ससुराल में छापा मारा गया। लेकिन शाइस्ता हाथ नहीं आई। इसके अलावा, माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। मंगलवार को अतीक के कार्यालय में लाश मिलने की अफवाह फैली। अतीक के कार्यालय में सोमवार को मिले धब्बे इंसानी खून के थे। अशरफ का आईएसआई कनेक्शन सामने आया है। इसके अलावा, पुलिस ने असद के दो दोस्तों को भी उठाया है।

शाइस्ता के छिपे होने की सूचना पर दौड़ी पुलिस, अशरफ की ससुराल में छापाः अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन की तलाश में मंगलवार को उसके देवर अशरफ की ससुराल में छापा मारा गया। पूरामुफ्ती के हटवा गांव स्थित ससुराल में पहुंचकर पुलिस फोर्स ने दो घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। यहां अशरफ की पत्नी और अतीक की बहन आयशा नूरी के भी छिपे होने की खबर मिली थी।

खबर संक्षेप

उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण में अनियमितता की शिकायत

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड के सराय अभय चंद उर्फ चंदौकी गांव में निमार्णाधीन स्वास्थ्य उपकेंद्र में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। चंदौकी गांव निवासी वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार ने जिलाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर आरोप लगाया कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गांव में बन रहे उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण में जिम्मेदारों द्वारा भारी अनियमितता बरती जा रही है। निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली ईट की जहां गुणवत्ता खराब है वहीं निर्माण कार्य के मानकों का पालन नही किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सम्बन्धित ठेकेदार के साथ ही कार्यप्रभारी को समस्या से अवगत कराया पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य को मानक के विपरित करने पर अधिकारियों का घेराव करने की बात कही।

मेजा में पूर्व जिला पंचायत सदस्य की हादसे में मौत

पति के साथ बाइक से लौट रही थीं घर, पिछले टायर में ब्लास्टिंग से हादसा

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र के कोटहा गांव के सामने प्रयागराज मिजार्पुर राजमार्ग पर बाइक के पिछले टायर की ब्लास्टिंग से चोटिल हुईं पूर्व जिला पंचायत सदस्य की मौत हो गई। मांडा थाना क्षेत्र के गरेथा गांव की मूल निवासी लालती देवी (45) बीते वर्ष 2010-15 तक मांडा तृतीय वार्ड से जिला पंचायत सदस्य रहीं। वह बुधवार सुबह अपने पति हरिनंद के साथ बाइक से प्रयागराज निजी कार्य के लिए गई थीं।शाम को घर वापस लौट रही थीं। मेजा थाना क्षेत्र के कोटहा गांव के सामने प्रयागराज मिजार्पुर राजमार्ग पर बाइक का पिछला टायर फटने से वह पति समेत सड़क पर गिरकर बुरी तरह चोटिल हो गईं। आनन फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसकी जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव घर लाए तो चीख पुकार सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।मृतका जिला पंचायत सदस्य के पति हरिनंद ने जानकारी देते हुए बताया कि शव का गांव में ही अंतिम संस्कार किया गया है। घटना को लेकर बेटे बहुओं का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं उक्त घटना को लेकर प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र यादव, प्रधान नीलम देवी, पूर्व प्रधान गौरीशंकर व शंकर लाल यादव, कोटेदार जाकिर हुसैन सहित तमाम लोगों ने घटना को लेकर शोक व्यक्त किया है।

शुआट्स में फोटोग्राफी क्लब का प्रमाणपत्र वितरण समारोह का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

नैनी। फोटोग्राफी एक बेहतरीन शौक है और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय है। शुआट्स फोटोग्राफी क्लब छात्रों को सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफिक शॉट लेने में मदद करता है। यह छात्रों को सामाजिक बनाने और उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक कौशल में सुधार करने में भी मदद करता है। कार्यकारी अधिकारियों और स्वयंसेवकों और क्लब के सभी सदस्यों के बैच (2021-22) और (2022-23) के लिए शुआट्स फोटोग्राफी क्लब का एक प्रमाणपत्र वितरण समारोह विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय के पास आयोजित किया गया था। समारोह की शुरूआत क्लब के अध्यक्ष श्री सागर पटेल के स्वागत भाषण से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपीसी के स्टाफ सलाहकार और शुआट्स के कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. सी.जॉन वेस्ली थे। एसपीसी के अध्यक्ष ने पूरे सत्र में सहायक होने के लिए अधिकारियों और स्वयंसेवकों के लिए धन्यवाद भाषण दिया। शुआट्स फोटोग्राफी क्लब के सभी छात्रों के लिए मुख्य अतिथि द्वारा एक उत्साहजनक और प्रेरक भाषण भी दिया गया। तत्पश्चात दोनों सत्रों के क्लब के प्रत्येक सदस्य को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पदाधिकारियों व स्वयंसेवकों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अंत में अध्यक्ष द्वारा कार्यकारी और स्वयंसेवकों के रूप में एसपीसी की नई कार्यकारी टीम की घोषणा की गई। 2023-24 के लिए नई टीम में श्री प्रवीण सिंह को अध्यक्ष जबकि श्री अभिनव कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह महासचिव श्री शुभम कुमार, कोषाध्यक्ष मुस्कान सिंह, स्टूडियो प्रबंधक एवं संपादक श्री नमन सिन्हा, टीम लीडर श्री विश्वा, इवेंट मैनेजमेंट श्री अविनाश कुमार को भी नामित किया गया। श्री नीतिक पटेल, आर्यन श्याम, नीलिन सरकार, गार्गी, शुभम यादव, आशीष रंजन, विशाल मणि, चिरंतन को वालिंटियर्स के रूप में चुना गया है। क्लब के सदस्यों को कुछ विशेष खिताब भी दिए गए जिसमें मोस्ट एक्टिव मेंबर - अभिनव कुमार, मोस्ट पैशनेट फोटोग्राफर - प्रवीण सिंह, बेस्ट फोटोग्राफी- चिरंतन, मोस्ट क्यूरियस फोटोग्राफर- नीतिक पटेल, मोस्ट क्रिएटिव फोटोग्राफर- आर्यन श्याम को मिला। शुआट्स फोटोग्राफी क्लब ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, खेल दिवस, विश्वविद्यालय दिवस, कॉलेज उत्सव आदि में हमेशा सक्रिय रूप से भाग लिया है ताकि विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ क्षणों को कैद किया जा सके।

नैनी सेंट्ल जेल में बंद आरोपी ने किया टॉप, 127 कैदियों ने दिया था एग्जाम

हाईस्कूल में 62 और इंटरमीडिएट में 65 बंदियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था

अखंड भारत संदेश

नैनी। सेंट्ल जेल में इस बार यूपी बोर्ड के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के एम्जाम में इस बार 127 कैदियों ने भी एग्जाम दिया था। जिसमें से 104 कैदियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का एग्जाम पास किया है। जिनमें नैनी सेंट्रल जेल 104 अंडर ट्रायल कैदियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने बताया कि यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में इस बार हाईस्कूल में 62 और इंटरमीडिएट में 65 बंदियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें से हाईस्कूल के एग्जाम में 59 कैदियों ने और इंटरमीडिएट के एम्जाम में 45 कैदियों ने सफलता अर्जित की है। हाईस्कूल में तीन कैदी, जबकि इंट्रमीडिएट में 20 कैदी फेल हो गए हैं सेंट्रल जेल नैनी के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने बताया कि अंडर ट्रायल कैदी सईद अहमद हत्या के जुर्म में जेल में बंद है। उस पर आईपीसी की धारा 302 का मुकदमा है, लेकिन वह पढ़ने में बहुत होशियार है। वह प्रथम श्रेणी में पास हुआ है पढ़ाई की इच्छा के बाद भरा था स्कूल में फॉर्मे शानू उर्फ शुभम 364 वी 201 आईपीसी में वर्ष 2016 के मुकदमे में जेल में है। जेल में आने के बाद उन लोगों ने पढ़ाई की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने यूपी बोर्ड का हाईस्कूल का फॉर्म भरा था। पुलिस अभिरक्षा में उनकाबोर्ड का एग्जाम दिलाया गया था। जिसमें एक ने प्रथम और दूसरे ने द्वितीय श्रेणी में परीक्षा पास की है कैदी खाली समय में पढ़ाई करते थे पढाई के बारे में वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर ने बताया कि वह दोनों कैदी खाली समय में पढ़ाई करते थे। अपनी किताब कॉपी वह साथ लेकर आए थे। जेल में कई ऐसे सीनियर कैदी भी हैं, जो पढ़े लिखे हैं यह दोनों कैदी उन सीनियर्स से भी अपनी पढ़ाई में मदद लेते थे। दोनों कैदियों का अभी आगे भी पढ़ने का इरादा है और जेल से बाहर निकल कर अपना बेहतर भविष्य बनाने की तैयारी है।

बारा क्षेत्र में श्री सत्यनारायण इंटर कालेज के छात्रों ने मारी बाजी

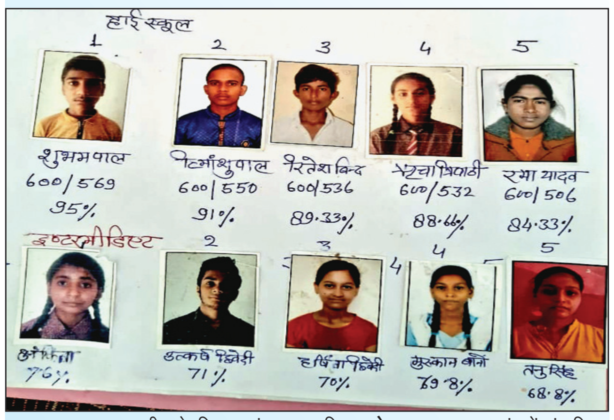

बारा/लालापुर। तहसील के विकासखंड जसरा स्थित कोटवारन का पुरवा गांव में संचालित श्री सत्यनारायण इंटरमीडिएट कालेज के छात्रों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि हाईस्कूल में 99% विद्यार्थियों ने और इंटरमीडिएट परीक्षा में 95%छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि अध्यापकों की लगन, अनुशासन एवं कडी मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग के कारण ही विद्यालय के छात्रों ने पूरे दम-खम के साथ अध्ययन किया और परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा। हाईस्कूल में शुभम पाल 569,हिमांशु पाल550, रितेश बिंदु 536,ऋचा त्रिपाठी 532,रमा यादव 506,जबकि इंटरमीडिएट की परीक्षा में अंकिता 76%,उत्कर्ष द्विवेदी 71%,हर्षिता द्विवेदी 70%,मुस्कान बानो 69. 8%, और तनू सिंह ने 68.8% अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की। विद्यालय परिवार ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को शुभकामनाएं दीं हैं। क्षेत्रीय अभिभावकों ने विद्यालय परिवार व अध्ययनरत छात्रों को बधाईयां दी है।

न्यूज झरोखा

श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से मोक्ष की प्राप्ति : पंडित अभिषेक शुक्ल

प्रतापपुर। नैकीपुर, कटहरा में यजमान पंडित कौशल किशोर मिश्र लाला एवं विनोद देवी के निवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के छठवें दिन बुधवार को बाल व्यास पंडित अभिषेक शुक्ल ने श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह प्रसंग से कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि महाराज भीष्म अपनी पुत्री रुक्मिणी का विवाह श्रीकृष्ण से करना चाहते थे, परन्तु उनका पुत्र रुक्मणी राजी नहीं था वह रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से करना चाहता था रुक्मिणी इसके लिए राजी नहीं थीं। विवाह की रस्म के अनुसार जब रुक्मिणी माता पूजन के लिए आईं तब श्रीकृष्णजी उन्हें अपने रथ में बिठा कर ले गए तत्पश्चात रुक्मिणी का विवाह श्रीकृष्ण के साथ हुआ ऐसी लीला भगवान के सिवाय दुनिया में कोई नहीं कर सकता। कथा व्यास ने बताया कि भागवत महापुराण में प्रत्येक पद से रस की वर्षा होती है इस शास्त्र को शुकदेव मुनि राजा परीक्षित को सुनाते हैं राजा परीक्षित इसे सुनकर मरते नहीं बल्कि अमर हो जाते हैं प्रभु की प्रत्येक लीला रास है। इस दौरान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी की आकर्षक झांकी बनाई गई जिनके दर्शन करके भक्तजन भाव विभोर हो गए।

ग्राम पंचायत अधिकारी संघ सहसों के राजेश सिंह बने अध्यक्ष

सहसों। विकास खण्ड सहसों के ग्राम पंचायत अधिकारी संघ का चुनाव बुधवार को सेमरी ग्राम सभा स्थित ग्राम पंचायत सचिवालय में बैठक आयोजित कर कराया गया। संघ का चुनाव बैठक के अध्यक्ष सहसों विकास खण्ड के एडीओ पंचायत नरेन्द्र कुमार दूबे की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव में राजेश सिंह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अविनाश सिंह, जिला प्रतिनिधि ललिता यादव, महामंत्री व आडीटर के पद पर शशी यादव, कोषाध्यक्ष मोहम्मद असलम का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि विकास खण्ड में संघ का यह पहला चुनाव है। उन्होंने कहा ग्राम पंचायत कर्मचारियों के हित की लड़ाई के लिए सदैव प्रयत्नशील रहूंगा।

जीवन ज्योति प्रांगण में मनाया गया पृथ्वी दिवस

करछना। जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल में 26 अप्रैल पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 501 पौधों का वृक्षारोपण किया गया । जिसमें डॉक्टर के के शुक्ला ने वृक्षारोपण कर शुभारंभ किया जिसमें कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के छात्र एवं छात्राओं ने प्रतिभाग किया । साथ ही कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर चार्ट पेपर अलंकृत किया , कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के बच्चों ने पृथ्वी दिवस पर विभिन्न प्रकार के मॉडलों को प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉक्टर शुक्ल ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया जिसमें प्राचार्य श्री रत्नाकर शर्मा व समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं , ऑफिस स्टाफ , ड्राइवर्स एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

इफको में श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

फूलपुर। इफको की फूलपुर इकाई में मुख्य प्रबंधक (उपकरण) के पद पर कार्यरत एस० योगेन्द्र ने बुधवार को अपने पिता स्व० सोबरन सिंह की पहली पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पिता के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मुझे उदार और परोपकारी पिता का पुत्र होने पर गर्व है। माता पिता के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि आज मै जो भी हूं वो अपने माता पिता के दिए संस्कारों, सीखो और उनके बताए जीवन के मूलमंत्रों को आत्मसात करके ही हूं। इस दौरान दर्जनों की संख्या में इफको के कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे। बता दें की इटावा जनपद के रहने वाले एस योगेन्द्र के माता द्रोपदी देवी व पिता जी का पिछले वर्ष अप्रैल माह में देहान्त हो गया था।

फीस के नाम पर हो रही मनमाना वसूली, अंकुश लगाने की मांग

कोरांव। पंडित राम कैलाश त्रिपाठी महिला महाविद्यालय सिरौठी मांडा प्रयागराज में 25 अप्रैल को बी. ए. एवम् बी.एस.सी. की भी परीक्षा चालू हो गई है। परीक्षा चालू होने पर फीस के नाम पर पैसे की वसूली जोरों पर हो रही है। शिकायत है कि परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों से फीस के नाम पर आज सुबह ही काफी परेशान किया गया। जबकि बच्चों ने पहले ही पूरी फीस जमा कर दिया था । इसके बाद भी बच्चों को घंटों परेशान किया गया। काफी समय बीत जाने के बाद अगले पेपर में पूरा पैसा देने के शर्त पर सिर्फ रोल नंबर देकर परीक्षा में बैठने दिया गया । जब कि ज्यादा तर परीक्षार्थियों की फीस पहले ही जमा हो गई थी । जब परेशान परीक्षार्थियों ने अपने गार्जियंस को इसकी जानकारी दी तो गार्जियंस द्वारा फोन पर बात करने के बाद पता चला कि बच्चों की फीस अभी बाकी है । एक महीने पहले विद्यालय परिसर में जाकर पता किया गया बकाया फीस के बारे में तो वहां पर तैनात एक मैडम ने बताया कि सारी फीस पेड है और आज परीक्षा के समय पुनः वसूली के नाम पर बकाया बता रहे हैं। फीस का डिटेल मागने पर बताया गया कि 3500 रू फीस + 500 रू सुविधा शुल्क + 600 रू डिग्री शुल्क टोटल 4600 रू जमा करने के लिए कहा गया । जो फीस एडमिशन के समय जमा किया गया उसका कोई लेखा जोखा नही बता रहे हैं। परीक्षार्थियों के पास होने से पहले ही डिग्री शुल्क जमा करवाया जा रहा है। डिग्री शुल्क कब से लगने लगा इसको लेकर परीक्षार्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

आरडी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का शत प्रतिशत रहा परिक्षा परिणाम

अखंड भारत संदेश

नसरा अंसारी ने हाईस्कूल में 92.66 अंक व इण्टरमीडिएट में पूजा गुप्ता ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किया

फूलपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा मंगलवार को हाईस्कूल व इण्टर का परिक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें क्षेत्र के आरडी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबूगंज की छात्रा नसरा अंसारी ने हाईस्कूल में 92.66 प्रतिशत अंक व बालक वर्ग में हर्षित ने 91 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय का मान बढ़ाया वहीं इण्टरमीडिएट बालिका वर्ग में पूजा गुप्ता ने 92 प्रतिशत व बालक वर्ग में ज्ञानसिंह यादव ने 82 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय के टापर बने। विद्यालय के प्रबंधक विजय पाल ने बताया कि विद्यालय के छात्र छात्राओं ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर जहां विद्यालय का नाम रोशन किया है वहीं अपने माता पिता व गुरूजनो का सम्मान बढ़ाया है। छात्र छात्राओं की सफलता से विद्यालय परिवार ने बच्चों को मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अन्य छात्र सौम्या यादव,मो सुहेल, रिचा तिवारी, सिमरन सिंह चौहान, संजना गुप्ता, निधि पटेल, तनु कुशवाहा, तनु पटेल, महिमा यादव, साक्षी, नाजरीन, दिशा पटेल, अरीबा, इसरार,सुधांशु कुशवाहा,ज्योति यादव, आदित्य मिश्रा, प्रियांशु कुशवाहा, रौनक मिश्रा, संतोष कनौजिया, अतुल जयसवाल, मोहम्मद महफूज, मोहम्मद अयान, अयान अली, प्रांजल सिंह, तरुण यादव, अंशुमान सिंह, सुजीत पटेल,अंशुमान यादव, करण चौरसिया, विनय पाल आदि ने भी सर्वोच्च अंक पाकर जहां विद्यालय का गौरव बढ़ाया वही इंटरमीडिएट में नूर्वी सुल्ताना, मेहविश फातिमा, नंदिनी सिंह चौहान, वजीहा फातिमा, महाविस इदरीसी, साबरीन बानो, साक्षी केसरवानी, दिपाली चौधरी,साक्षी यादव व बालक वर्ग में ज्ञान सिंह यादव , निखिल यादव, मो फैसल, वसिष्ठ ,कैफ , दीपक पाल ,रिशि मौर्य, अफजल आदि ने इण्टर मीडिएट में सर्वोच्च अंक प्राप्त किया। विद्यालय में बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है। विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को बधाई। अन्य छात्र भी आगामी वर्षों में परिणाम की चिंता न कर लयबद्ध तरीके से पढ़ाई में मेहनत करें। निश्चित रूप से परिणाम सुखद होंगे।

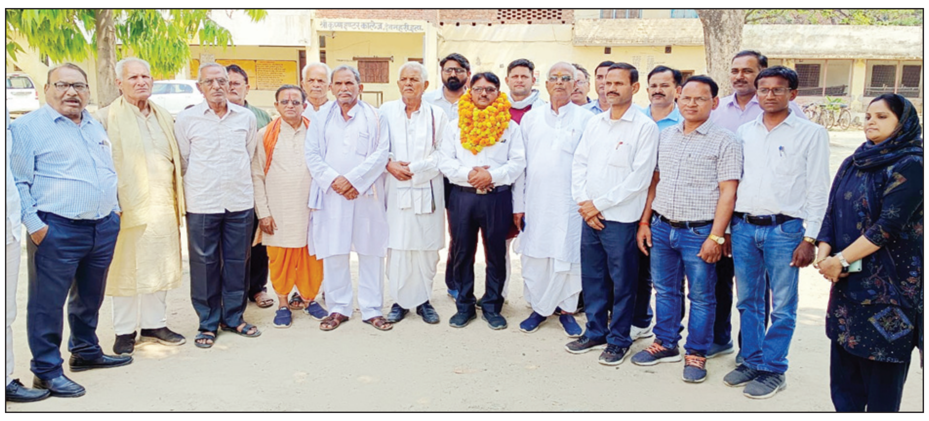

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य की हुई भावपूर्ण विदाई

अखंड भारत संदेश

सहसों। शिक्षक समाज का अगुआ होता है जो सैद्धांतिक एवं संस्कारी समाज को आईना दिखाता है शिक्षक वही है जो अपना बहुमूल्य समय देकर पारदर्शित मार्ग को प्रशस्त करते हुए जीवन पर्यंत समाज को गढ़ने का कार्य करता है। उक्त विचार श्री कृष्ण इंटर कॉलेज देवनहरी में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र के विदाई समारोह में वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर त्रिपाठी ने कहा। उन्होंने कहा लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बहुत ही ईमानदारी और अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन एवं निर्वहन करते हुए विद्यालय के बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर समस्त कर्मचारियों के साथ अपनी सेवाकाल सकुशल पूर्ण किए। इस अवसर पर प्रबंधक जोखू लाल तिवारी एवं वर्तमान प्रधानाचार्य राममूर्ति पटेल ने अपने संबोधन में कहा एक आदर्श शिक्षक के रूप में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य लक्ष्मीकांत मिश्रा ने हम सब के प्रति एक आदर्श शिक्षक के रूप में समय-समय पर शिक्षा एवं बच्चों के प्रति उनके उज्जवल भविष्य के लिए समर्पण की भावना से कार्य करते हुए अपने अनुभव को साझा कर बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए ईनका मार्गदर्शन विद्यालय को हमेशा मिलता रहा। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य भगवान प्रसाद शुक्ला, वेदमणि तिवारी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गुलाब प्रसाद त्रिपाठी ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रमुख रूप से राजेन्द्र कुमार तिवारी, दिनेश कुमार शुक्ला, धनुषधारी शुक्ला, श्याम चन्द्र, विनोद तिवारी, उमेश सिंह आदि सहित विद्यालय के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

राजकीय बालिका इण्टर कालेज में हाईस्कूल व इण्टर का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत

अखंड भारत संदेश

जसरा। यू०पी बोर्ड परीक्षा 2023 के हाई स्कूल एवं इंटर का रिजल्ट आते ही बच्चों की बांछें खिल गई। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जसरा का हाई स्कूल में कुल एक सौ बच्चियों ने परीक्षा दिया था जिसमें 99 ने परीक्षा ससम्मान उत्तीर्ण किया। वहीं एक छात्रा अनुत्तीर्ण रही। जिसमें शिवानी पटेल ने 86.16 अंक प्राप्त किया। वहीं शिखा पांडेय 85.5 प्रतिशत, वसुधा द्विवेदी ने 84.3,स्नेहा पाठक 80.51 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। इसी तरह इंटर मीडिएट में 93 प्रतिशत छात्राओं ने परीक्षा पासकर उत्तीर्ण रहीं। इसमें जिले की टॉप टेन में श्वेता शर्मा 95.41 प्रतिशत, शिखा मिश्रा 84.8 प्रतिशत, रन्जू यादव 84.2 प्रतिशत व लक्ष्मी मिश्रा 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय व अपने माता पिता का नाम रोशन किया है। इसी तरह लाल चंद्र इंटर कॉलेज जसरा की हाई स्कूल की अंजली कुशवाहा 94 प्रतिशत, महक केसरवानी 93,रुची मिश्रा 90,माही चौरसिया 89,रोहिणी प्रजापति 88,तन्वी व शालिनी ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। इसी तरह इंटर मीडिएट में कशिश तिवारी 81 प्रतिशत, रेखा पटेल 77 प्रतिशत, सुहानी मिश्रा 76 प्रतिशत, श्रेया त्रिपाठी वकाजल सिंह 75 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा०प्रेम प्रकाश सिंह ने बच्चियों के उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

जसरा की स्वेता शर्मा ने टॉप टेन सूची में बनाई जगह

जसरा। बालिकाओं के बेहतर शिक्षा के लिए अग्रणी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जसरा की इंटर की छात्रा स्वेता शर्मा पुत्री उमेश शर्मा ने जिले के टॉप टेन में छठा स्थान प्राप्त कर अपने माता पिता के साथ विद्यालय का नाम रोशन किया है। जसरा के शिवपुरी कॉलोनी बुदांवा के रहने? वाले उमेश शर्मा उत्तर प्रदेश की पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल के पद पर सेवा कर रहे हैं। उनके तीन बच्चों में सबसे छोटी बिटिया स्वेता शर्मा जीजीआईसी जसरा में इंटर मीडिएट की छात्रा रही। स्वेता ने यूपी बोर्ड 2023 की परीक्षा में जिले में छठा स्थान पाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। स्वेता शर्मा ने बताया कि मैं आईएएस बनकर देश की सेवा करना चाहती हूं। गरीब असहायों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ही हमारा कार्य होगा। जीजीआईसी जसरा की प्रधानाचार्या ममता शर्मा ने स्वेता शर्मा के उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

खबर संक्षेप

यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं में बच्चों ने रचा इतिहास

सिरसा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा हाई स्कूल और इंटरमीडिएट 2023 का परीक्षा फल घोषित कर दिया गया। जिसमें मेजा क्षेत्र के ब्लाक उरूवा अंतर्गत श्री के०एस० चौधरी कन्या इंटर कॉलेज छतवां सिरसा प्रयागराज में बच्चों ने रचा इतिहास। कक्षा 12वीं में अंशिका यादव 399 (88%), प्रतीक्षा सिंह 399 (80%), कविता यादव 395 (79%), संध्या सरोज 380 (76%), आराध्या तिवारी 379 (76%), कक्षा 10वीं में एकता यादव 512 (85.3%), मुस्कान राय 491 (82%), संभावी मिश्रा 482(80.3%), रिया गुप्ता 469 (78%), रूबी पाल 459 (76.5%), कृति पाल 458 (76.3%), जाह्नवी द्विवेदी 458(76.3%), आयशा 457 (76.1%), आराध्या पटेल 450(75%) सफलता हासिल किया। विद्यालय परिवार और गुरुजनों की ओर से सभी बच्चों को बोर्ड परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर बधाई देते हुए जीवन मे आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया गया।

चुनाव प्रचार के लिए जा रही कार अनियंत्रित होकर आई रेलवे ट्रैक पर, चालक की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर मंगलवार की शाम एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यहां औद्योगिक क्षेत्र थाना स्थित एक पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास तेज रफ्तार कार खंभे से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर दिल्ली हावडा रूट पर जा पहुंची। दुर्घटना में कार चालक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि औद्योगिक थाना क्षेत्र के महुआरी गांव निवासी 35 वर्षीय पिंकू सिंह पुत्र सिलवंत सिंह निकाय चुनाव को लेकर मंगलवार को प्रचार में गए थे। करछना की तरफ से छिवकी की ओर अप लाइन के किनारे नई लाइन का काम चल रहा है। उसपर तेजी से वाहन चलाते हुए जा रहा था।अचानक पहिया गड्ढे में जाने के बाद कार खंभे से टकराते हुए अनियंत्रित हो गई और नई बन रही रेलवे लाइन से होते हुए मेन लाइन पर चली गई। आस-पास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और पिंकू को कार से बाहर निकाला। इसी बीच मालगाड़ी आती दिखी तो ग्रामीणों ने लाल गमछा दिखाकर उसे रोका। मालगाड़ी के चालक ने इसकी सूचना कंट्रोल में दी। सूचना पर आरपीएफ छिंवकी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक ग्रामीण ट्रैक से कार हटा चुके थे। ट्रैक पर कार पलटने की सूचना पर हड़कंप मच गया। इस दौरान दो यात्री ट्रेनों को भी रोकना पड़ा। ग्रामीणों ने पिंकू के परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे शहर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की शादी तीन वर्ष पहले बलिया निवासी दीपा सिंह के साथ हुई थी। वह चाचा मंचू सिंह की गाड़ी चलाता था। मंचू सिंह की पत्नी निकाय चुनाव में सभासद प्रत्याशी हैं और पिंकू सिंह उनके प्रचार में गया था। दो भाई और एक बहन में यह दूसरे नंबर का था। आरपीएफ प्रभारी छिंवकी ने बताया कि कार अनियंत्रित होकर ट्रैक के बीचोबीच पहुंच गई थी। सूचना पर जब आरपीएफ छिंवकी पहुंची तब तक ग्रामीण कार को हटा चुके थे। दुर्घटना में कार सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई है। करछना स्टेशन के मध्य एक कार के मेन लाइन ट्रैक पर खड़ी होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ पहुंची तो कार को ट्रैक से किनारे कर दिया गया था। कार चालक को ग्रामीण ही अस्पताल ले गए थे। अब घायल के मौत होने की सूचना मिली है।

– अमित कुमार सिंह,पी आरओ, प्रयागराज मंडल उत्तर मध्य रेलवे

वरिष्ठता तय करने में शिक्षामित्र की सेवा शामिल करने की मांग पर बीएसए को निर्णय लेने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर को याची के सहायक अध्यापक नियुक्ति के पहले सहायक अध्यापक व शिक्षा मित्र के रूप में सेवा को वरिष्ठता निर्धारण में विचार कर नियमानुसार दो माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव ने रामराज चौधरी व 47 अन्य जूनियर बेसिक स्कूलों के सहायक अध्यापकों की याचिका पर दिया हैयाचियों की ओर से कहा गया कि वे 2005 में शिक्षामित्र नियुक्त हुए। 2015 में सहायक अध्यापक पद पर समायोजित किया गया किंतु सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 25 जुलाई 2017 में सभी को वापस शिक्षा मित्र बनाया गया और चयन में शामिल होने का तीन अवसर दिया गया। याचीगण का चयन सहायक अध्यापक पद पर हुआ। सहायक अध्यापकों की सूची में उनका नाम सबसे नीचे जोड़ा गया। इन्होंने आपत्ति की कि उनकी शिक्षामित्र की सेवा को भी वरिष्ठता तय करने में शामिल किया जाय। बीएसए को प्रत्यावेदन दिया। जिस पर फैसला न होने पर याचिका दायर की गई थी।

सरल विधा में लिखी जाए स्व अध्ययन सामग्री : प्रो. आशुतोष गुप्ता

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रयागराज। स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षा का अभिन्न अंग है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में छात्रों के सामने शिक्षक नहीं होते। पाठ्य सामग्री ही छात्रों के सामने शिक्षक के रूप में होती है। ऐसी स्थिति में स्व अध्ययन सामग्री को सरल विधा में लिखा जाना चाहिए जिससे वह शिक्षार्थियों के समझ में आ सके और उनका ज्ञानार्जन कर सके। उक्त उद्गार प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र सीका ने मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं में नवनियुक्त सहायक आचार्यों (संविदा) को स्व-अध्ययन सामग्री के लेखन कार्य के सम्बन्ध में बुधवार को दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए। प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य अपने विषय में दक्ष शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में सभी नवनियुक्त शिक्षकों को लेखन सामग्री निर्माण में अपनी प्रतिभा एवं क्षमता विकसित करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर प्रोफेसर गुप्ता ने दूरस्थ शिक्षा पद्धति में अध्ययनरत छात्रों को प्रदान की जाने वाली अध्ययन सामग्री की अवधारणा, उपभोग तथा महत्व को विस्तार से रेखांकित किया। आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र के तत्वावधान में लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा एवं उप निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र ने कहा कि पाठ्य सामग्री ही एक ऐसा माध्यम है जिसमें छात्र दूर होते हुए भी हमारे पास रहता है। यह हमारे ज्ञान एवं कौशल पर निर्भर करता है कि हम छात्र को कितनी गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री तैयार करके देते हैं। पाठ्य सामग्री में ही शिक्षक का चेहरा छुपा होता है। उन्होंने कहा कि हमें सुस्पष्ट एवं युगानुकूल पाठ्य सामग्री तैयार करने में अपने ज्ञान का बहुमूल्य उपयोग करना चाहिए। प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, सह आचार्य, व्यवसाय प्रबंधन ने स्व-अध्ययन सामग्री विकास के विभिन्न चरणों को क्रमशः पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित कर नव नियुक्त सहायक आचार्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उपस्थित सहायक आचार्यों को क्रमशः 8 समूह में रखकर इकाई विकसित करने का अभ्यास कराया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक समूह ने अपने द्वारा विकसित की गई इकाई का प्रस्तुतीकरण करते हुए उसमें अपेक्षित सुधारों को प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ गौरव संकल्प ने किया।

राम वन गमन पथ को जोड़ सकती है वंदे भारत

चित्रकूट से प्रयागराज अयोध्या के रास्ते चलाने की तैयारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। देश में निर्मित पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन राम वन गमन पथ मार्ग पर भी हो सकता है। बताया जा रहा है कि इसी वर्ष चित्रकूट से प्रयागराज, अयोध्या होते हुए प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई जा सकती है।दरअसल, इस देश के तमाम रेलमार्ग एवं महत्वपूर्ण रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन होना है। देश में कुल 15 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन हो रहा है। मंगलवार को ही पीएम मोदी ने तिरुवनंतपुरम और कन्नूर के बीच चलने वाली 15वीं वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी की घोषणा के तहत वर्ष 2023 तक 75 वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू होना है। इसी वजह से तमाम जोनल रेलवे द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस के प्रस्तावित रूट भी रेल मंत्रालय को भेजे जा चुके हैं।

पूरा सफर पांच घंटे में कराने की योजना

अब इसी कड़ी में रामपथ गमन मार्ग को भी वंदे भारत से जोड़ने की तैयारी है। इस ट्रेन का संचालन चित्रकूट से प्रयागराज, अयोध्या के रास्ते लखनऊ तक करने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि यह पूरा सफर पांच घंटे से छह घंटे में पूरा कराने की योजना है। प्रयागराज से भाजपा सांसद केशरी देवी पटेल भी इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की मांग कर चुकी है।बता दें कि देश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस भी प्रयागराज होकर नई दिल्ली-वाराणसी के बीच चल रही है। अब वाराणसी से भी सुबह के समय वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की योजना है। अभी वहां से सप्ताह में छह दिन दोपहर तीन बजे वंदे भारत एक्सप्रेस उपलब्ध है। उधर, सांसद केशरी देवी का कहना है कि चित्रकूट से प्रयागराज और अयोध्या के रास्ते वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू होती है तो निश्चित ही इससे पर्यटन भी बढ़ेगा।

अशरफ की वायरल चिट्ठी पर अतीक के वकील बोले-फर्जी है

असली लिफाफा कोर्ट पहुंच सकता है, कहा था- मर्डर हुआ तो खुलेगा नाम

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर एक चिट्ठी वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि यह चिट्ठी गैंगस्टर अतीक के भाई अशरफ ने अपनी हत्या से पहले लिखी थी। इसमें शाइस्ता परवीन का भी नाम है। वायरल चिट्ठी पर अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा से संपर्क किया। इस पर उनका कहना है कि यह फेक चिट्ठी है। असली चिट्ठी हाईकोर्ट और मुख्यमंत्री के पास पहुंच सकती है। मर्डर से पहले जब अशरफ को 28 मार्च को प्रयागराज लाया जा रहा था, तब उसने कहा था कि उसे एक अफसर ने धमकाया है। कहा था कि दो हफ्ते बाद अशरफ को बहाने से निकाला जाएगा और निपटा दिया जाएगा। अशरफ ने अपनी हत्या की ओर इशारा किया था। उसने कहा था- अगर मेरी हत्या होती है तो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और मुख्यमंत्री को मेरा बंद लिफाफा मिलेगा। उसमें उस अधिकारी का नाम होगा, जिसने मुझे हत्या की धमकी दी है।

अग्नि सुरक्षा पर मॉक एक्सर साइज कर बच्चों को दी गई ट्रेनिंग

अग्निकाण्ड से बचाव, सीपीआर, इमारत में फंसे व्यक्ति को निकालने के बताए तरीके

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बिशप जॉनसेन गर्ल्स स्कूल एण्ड कॉलेज और टीबी स्त्रपू चिकित्सालय में जनपद स्तरीय अग्नि सुरक्षा पर मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने की। अग्निकाण्ड मॉक एक्सरसाइज में अग्निकाण्ड से बचाव, सीपीआर, बहुमंजिला इमारत में फंसे व्यक्ति को निकालना, सिलेण्डर में आग लगने से बचाव आदि का मॉक एक्सरसाइज कराते हुए प्रशिक्षण दिया गया।इस अवसर पर बच्चों को अग्नि काण्ड से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। इसमें अग्नि काण्ड के कारणों एवं उसको रोकने के उपायों के बारे में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मॉक एक्सरसाइज की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से दी गयी जानकारी से उन संस्थानों को मदद मिलेगी, जिनमें फॉयर सेफ्टी के नार्म्स पूरे किए जाने हैं। उन्हें इससे प्रेरणा मिलेगी और वे अपने यहां फायर सेफ्टी के नार्म्स को पूरा करेंगे। बच्चे भी अपने घर में यहां पर बताये गये सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दें।मॉक एक्सरसाइज में जगदम्बा सिंह, अपर जिलाधिकारी, (वि./ रा.), डा. शारदा चैधरी अधीक्षिका, टीबी सपू चिकित्सालय, डा. अशोक कुमार, प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ. आरके पाण्डेय मुख्य अग्निशमन अधिकारी, संजय बरनवाल, प्रभारी चिकित्साधिकारी, निखिल गंगवार, प्रेक्षक, उप्र राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ, अनिल कुमार, बिशप जॉनसेन गर्ल्स स्कूल एण्ड कॉलेज की प्रधानाचार्या, चीफ वार्डन सिविल डिफेन्स, जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, प्रेम कुमार पासवान, डिप्टी कमाण्डर, एनडीआरएफ, प्रभारी निरीक्षक, एसडीआरएफ एवं आपदा मित्र उपस्थित रहे।

नए पुल से यमुना में कूदा युवक

गोताखोरों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद निकाला बाहर, नहीं बच पाई जान

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र के नए यमुना ब्रिज से बुधवार शाम एक युवक ने छलांग लगा दी। गोताखोरों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है।नगर के कीडगंज पुलिस के मुताबिक नए यमुना पुल से बुधवार की शाम को एक युवक नदी में कूद गया। सूचना पर पहुंचे गोताखोर मनोज निषाद और उसकी टीम ने घंटों मशक्कत के बाद युवक को यमुना से ढूंढ निकाला और बाहर ले आए। मौके पर पहुंची कीडगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन कोई डॉक्यूमेंट न मिलने की वजह से उसकी पहचान नहीं हो पाई। थानाध्यक्ष कीडगंज रामाशीष यादव ने बताया कि मृतक की उम्र 20 से 25 वर्ष के आसपास है। उसके पास कोई डॉक्यूमेंट अथवा मोबाइल नहीं मिला है। सोशल मीडिया के जरिए उसकी पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

रिहायशी प्लॉट से अतीक के करीबी भूमाफिया का अवैध कब्जा 48 घंटे में हटाने का निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंडलायुक्त प्रयागराज व एसडीएम सदर को उमरपुर नीवां गांव के रिहायशी प्लॉट संख्या 410 रकबा 290 वर्गमीटर पर विपक्षी द्वारा जबरन बनाई गई पक्की सड़क व लोहे के गेट को 48 घंटे में हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है, जमीन कब्जाने की जांच कराकर कानूनी कार्रवाई करें। अतीक के करीबी विपक्षी भूमाफिया हसन एखलाक उर्फ रिजवान अहमद व परिवार पर याची की जमीन हथियाने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केशरवानी तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने मोहम्मद जकी की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।याची के अधिवक्ता शशिभूषण मिश्र व आशीष कुमार मिश्र का कहना था कि याची ने रिहायशी प्लॉट खरीदा है। जिस पर विपक्षी हसन ने जबरन कब्जा कर लिया और सड़क बनाकर गांव सभा की जमीन बेच रहा है। याची ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की किंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई। दोबारा शिकायत की तो एसडीएम से जांच रिपोर्ट मांगी गई, जिसमें दो स्वतंत्र गवाहों ने आरोपों की पुष्टि की। रिपोर्ट में कहा गया कि विवाद सिविल प्रकृति का है। सिविल वाद दायर करें।याची ने फिर आयुक्त से शिकायत की। जिस पर राजस्व अधिकारियों, लेखपाल व धूमनगंज थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर व उमरपुर नीवां चौकी इंचार्ज से जांच कराई गई। अपर सिटी मजिस्ट्रेट ने लोगों के बयान लेकर रिपोर्ट दी। कहा कि याची विवादित प्लॉट का स्वामी है। विपक्षी का कहना था याची की सहमति से सीमेंटेड सड़क बनाई है। जबकि कोर्ट ने कहा, ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है। विपक्षी ने जबरन कब्जा किया है, जिसे हटाया जाए।

स्वच्छता व टैक्स के सवाल पर सपा लड़ रही है नगर निकाय का चुनाव : संदीप पटेल

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। समाजवादी पार्टी के निकाय का चुनाव कामन मुद्दों को लेकर लड़ रही है। हमारी सरकार ने घोषणा पत्र में ही 300 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा किया था। लेकिन इस सरकार में महंगाई से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। यह बातें समाजवादी पार्टी के मेजा विधायक संदीप पटेल ने नगर पंचायत कोरांव में समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार पूजा चतुर्वेदी के समर्थन में वोट मांगने के दौरान मतदाताओं से कही। विधायक संदीप पटेल ने नगर पंचायत सिरसा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां हमारी पार्टी का अध्यक्ष हुआ करता था। इस नगर पंचायत में हाउस टैक्स समेत किसी भी प्रकार का टैक्स नगर वासियों को नहीं देना पड़ता है। अगर कोरांव में भी हमारी पार्टी का नगर पंचायत अध्यक्ष जीतेगा तो लोगों को किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं देना होगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नगर निकाय का चुनाव कामन मुद्दों को लेकर लड़ रही है। स्वच्छता हाउस टैक्स समेत कई अन्य मुद्दे हैं जिससे सीधे आम जनता को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए जुमलों से भरा चुनावी घोषणा पत्र भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने पेश कर सरकार तो बना ली। लेकिन बेतहाशा महंगाई से गरीबों एवं आम लोगों की कमर टूट चुकी है। विधायक संदीप पटेल के साथ प्रमुख रूप से समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव जिला पंचायत सदस्य सोमदत्त सिंह पटेल, अजय सिंह शिक्षक, देवेंद्र पटेल, रविंद्र जैशल, अश्विनी कुमार सिंह, दीपक पटेल, फूलचंद पटेल, दिनेश पटेल समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट समाचार

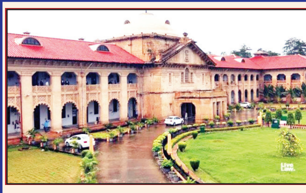

पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित, जवाहर पंडित हत्याकांड में मिली है उम्रकैद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विधायक जवाहर यादव हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की जमानत अर्जी पर बुधवार को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। पूर्व विधायक जून के बाद से लगातार पैरोल पर हैं। मामले में प्रतिवादी ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष याचिका दाखिल कर उनकी पैरोल निरस्त करने की मांग की थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को नियमित जमानत पर सुनवाई करने का निर्देश दिया था।कहा था कि पैरोल को लगातार बढ़ाया नहीं जा सकता है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत लगातार चार दिनों तक सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया। उदयभान करवरिया सहित चार अन्य की आपराधिक अपील पर न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय व न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी।याची की ओर से वरिष्ठद्द अधिवक्ता अनिल तिवारी ने तर्क दिया कि जवाहर यादव हत्याकांड से उसका कोई लेना देना नहीं है। घटना की प्राथमिकी कई दिनों के बाद बहुत सलाह मशविरा के बाद दर्ज कराई गई। घटना के दौरान याची दिल्ली में था। उसे सियाशी रंजिशन फंसाया गया। जबकि प्रतिवादी की तरफ से पक्ष रख रहे अधिवक्ता अभिषेक कुमार यादव को असिस्ट कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने तर्क दिया कि घटना सिविल लाइंस इलाके की है। तीन लोग प्रत्यक्षदर्शी हैं। एके-47 से हत्या की गई और याची का नाम प्राथमिकी में दर्ज है। वह पैरोल का लगातार फायदा उठा रहा है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जमानत पर फैसला सुरक्षित कर लिया।

नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद नियमित किए गए कर्मी भी पुरानी पेंशन के हकदार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पहले से कार्यरत जल संस्थान के दैनिक वेतन भोगी कर्मी याची, जिनकी सेवाएं सन 2005 में नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद नियमित की गई हैं, वे भी पुरानी पेंशन पाने के हकदार होंगे। इसी के साथ कोर्ट ने जल संस्थान के दैनिक वेतन भोगी कर्मी, जिन्हें बाद में नियमित किया गया है, उनकी पूर्व में की गई सेवा को नियमित सेवा के साथ जोड़ते हुए पुरानी पेंशन का लाभ देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक चौधरी ने रणवीर सिंह व 23 अन्य की याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि याचीगण जल संस्थान झांसी के नियमित कर्मचारी हैं। वे 2005 से 2011 के बीच नियमित हुए हैं। इससे पहले 1989-91 के बीच दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्त हुए थे। इनको जल संस्थान झांसी के महाप्रबंधक के आदेश के द्वारा पुरानी पेंशन योजना के अंतर्गत लाभ से इसलिए वंचित किया गया, क्योंकि उनकी सेवा वर्ष 2005 नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद नियमित की गई है।कोर्ट ने कहा कुछ याची सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कुछ अभी भी सेवारत हैं। सभी की दैनिक वेतन भोगी के रूप में दी गई सेवाओं को जोड़ते हुए उनको पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देने का आदेश दिया जाए। कोर्ट ने दैनिक कर्मी की सेवा को क्वालीफाइंग सेवा मानते हुए तीन माह में पुरानी पेंशन का लाभ देने का निर्देश दिया है। कहा है कि सेवानिवृत्ति परिलाभों का भी भुगतान किया जाए।

एक ही गांव मेंअज्ञात चोरों ने चार घरों में बनाया निशाना

रत्योरा। कोरांव थाना क्षेत्र के रत्योरा करपिया गांव में बीती रात को एक साथ चार घरों में चोरी की वारदात से गांव में सनसनी फैल गई है। अज्ञात चोरों ने चार घरों को खंगालते हुए नकदी समेत हजारों के जेवरात उठा ले गए। रत्यौरा करपिया गांव निवासी शिव मूरत दुबे पुत्र स्वर्गीय गयादीन दुबे ने बताया कि मैं घर के सामने स्थित मड़हे में अपनी पत्नी के साथ सो रहा था। रात में अज्ञात चोरों ने घर के दरवाजे में लगे ताले को तोड़कर सूटकेस व बैग अज्ञात चोर घर से दूर नाले के पास लेकर चले गए किसी को कोई जानकारी नहीं हो पाई। सूटकेस और बैग में रखे एक मोहर, कान का बाला सोने का, छागल, पायल, पेटी एवं 5000 नकद लेकर फरार हो गए। इसी रात शिवप्रसाद पुत्र गिल्हौरी कोल के घर को भी चोरों ने निशाना बनाते हुए 15000 नकद 16000 के कपड़े एवं कुछ जेवरात चोरी कर लिए। शिव प्रसाद ने बताया कि आगामी 11 जून को बेटे की शादी के लिए कपड़े वह कुछ जेवरात खरीद कर घर में रखा था इसी प्रकार उक्त गांव निवासी रामलाल पुत्र सुकरू कुशवाहा के घर का जैसे ही अज्ञात चोर ताला तोड़ने लगे। वैसे ही घर के लोग जग गए और शोरगुल करने पर चोर फरार हो गए। रामलाल के घर में भी 10 मई को बेटी की बारात आनी है। इसी प्रकार रावेंद्र के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। भुक्तभोगियों ने सुबह 112 डायल कर सूचना पुलिस को सूचना दे दी है।

पंचायत भवन का ताला तोड़कर सामान चोरी

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवां में स्थित पंचायत भवन का बीती रात चोरों ने ताला तोड कर आधा दर्जन कुर्सी ,स्टेप्लाइजर, इंवायटर ,सहित अनेकों सामान चोरी कर ले गए। ग्राम प्रधान कल्पना देवी पत्नी कमल पटेल ने थाने में तहरीर दी कर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

भाजपा उम्मीदवार के लिए विधायक ने मांगे वोट

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब चुनाव प्रचार अभियान तेज हो गया है। जिसके क्रम में भाजपा विधायक राजमणि कोल ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार नरसिंह कुमार केसरी उर्फ गोपाल जी के समर्थन में नगर के कई वार्डों में जनसंपर्क कर वोट मांगे। इस दौरान विधायक राजमणि कोल ने काम किया है काम करेंगे, वादा नहीं विकास करेंगे का नारा देते हुए नरसिंह कुमार केसरी को दोबारा जिताने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी ने अपने पदाधिकारियों और कार्यकताओं को वार्डवार मतदाताओं से जनसंपर्क करने की जिम्मेदारियां दी है। जिसके क्रम में सभी वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मतदाताओं से वोट मांग रहे हैं। भाजपा समर्थित उम्मीदवार नरसिंह कुमार केसरी खुद मतदाताओं के बीच पहुंचकर जिताने की अपील कर रहे हैं। विधायक राजमणि कोल ने नगर के कई वार्डों में मतदाताओं के साथ बैठकें कर जहां सरकार की योजनाएं बताई, वही भाजपा समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान प्रमुख रूप से बबुआन द्विवेदी, रामराज सिंह, सचिन केसरी, राम आश्रय शुक्ला समेत कई अन्य लोग व मतदाता मौजूद रहे।

हड़ताली बिजली कर्मचारियों पर गिरेगी गाज, होंगे बर्खास्त, 17-19 मार्च को हुई थी हड़ताल

प्रयागराज। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर पिछले 17-19 मार्च को हुई हड़ताल में शामिल संविदा कर्मचारियों पर बर्खास्तगी की तलवार लटक रही है। संविदा कर्मचारी उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने इनकी सूची बनानी शुरू कर दी है। डिस्कॉम प्रबंधन के आदेश पर इन कर्मचारियों को बर्खास्त करने की तैयारी है। कंपनियों की ओर से अबतक लगभग 120 संविदाकर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है।कंपनियों ने हड़ताल में शामिल रहने वाले संविदाकर्मी व एसएसओ (सब स्टेशन ऑपरेटर) की लिस्ट भी तैयार कर ली है। हड़ताली संविदाकर्मियों की सेवा समाप्त किए जाने की सूचना पर कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। कई कर्मचारियों ने लिस्ट से अपना नाम कटवाने के लिए पैरवी करना भी शुरू कर दिया है।सूत्रों के मुताबिक विभाग में संविदाकर्मियों की नई भर्ती की तैयारी भी शुरू है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर 17 मार्च से 72 घंटे की हड़ताल हुई थी। इसमें संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी, बिजली कर्मचारी व संविदाकर्मी भी शामिल हुए थे। हड़ताल से पूरे शहर में बिजली-पानी को लेकर हाहाकार मच गया था। इस दौरान ही बिजली विभाग के शीर्ष प्रबंधन के अधिकारियों ने संविदाकर्मियों से काम पर वापस लौटने की अपील और न आने की स्थिति में कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी।हड़ताल आठ घंटे पहले ही खत्म हो गई थी और सभी कर्मचारी काम पर लौट गए थे लेकिन इन संविदाकर्मियों पर बर्खास्तगी की तलवार अब भी लटकी हुई है। बिजली विभाग में हड़ताली सभी संविदाकर्मियों को हटाकर नए लोगों को रखने की तैयारी शुरू हो गई है। नई भर्ती के लिए क्या मानक होंगे इसपर विचार किया जा रहा है। इस पूरे मामले पर विभाग के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि संविदाकर्मियों की भर्ती व बर्खास्तगी एंजेसी व शीर्ष प्रबंधन के बीच का मसला है, विभाग का इससे कोई लेना देना नही हैं।

सूचना

मेरा संपूणानंद संस्कृत विश्व विद्यालय वाराणसी का शास्त्री परीक्षा वर्ष 2013 पंजीकरण संख्या S11043647 व अनुक्रमांक 380784 का मूल प्रमाणपत्र वास्तव में खो गया है।

उषा देवी पुत्री हरिहर प्रसाद तिवारी ग्राम भौंरहा पोस्ट कोसफरा कोरांव प्रयागराज

पोस्टल बैलेट से मतदान करें ड्यूटी पर तैनात कर्मी

प्रतापगढ़। अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0/रा0)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (न0नि0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने अवगत कराया है कि नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के अन्तर्गत पोलिंग पर्सनल्स के द्वितीय प्रशिक्षण की अवधि में 28 व 29 अप्रैल में प्रशिक्षण स्थल सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज पर तहसील/नगरीय निकायवार स्थापित पोस्टल बैलेट फेसिलिटेशन सेन्टर/काउण्टर में मतदान के दिन निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को मतदान हेतु डाक मतपत्र द्वारा मतदान की सुविधा प्रदान किया जाना है। उन्होने समस्त नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं सदस्य पद के उम्मीदवारों को सूचित किया है कि उम्मीदवार या उम्मीदवार का कोई अधिकृत प्रतिनिधि पोस्टल बैलेट काउण्टर पर डाक मतपत्र की सम्पूर्ण प्रक्रिया के अवलोकन के लिये उपस्थित रह सकते हैं।

अपराध नियंत्रण अभियान मे हर समय मुस्तैद दिखेगी पुलिसः एसपी

सीओ कार्यालय तथा कोतवाली मे जनसुविधाओं की एसपी ने किया विस्तारीकरण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। एसपी ने मातहतो को महिला अपराधो के नियंत्रण के लिए शीर्ष प्राथमिकता पर कड़े कदम उठाए जाने को कहा है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने अपराध नियंत्रण अभियान के साथ पुलिस गश्त मे किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारो के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाने को लेकर भी आगाह किया। पुलिस कप्तान के कडक तेवर को देख मातहतो की घिघ्घी देर रात तक बंधी दिखी। जिले के एसपी सतपाल अंतिल ने मंगलवार की देर शाम स्थानीय सीओ कार्यालय तथा कोतवाली के निरीक्षण के दौरान जनसुविधाओं को भी जनता को समारोहपूर्वक समर्पित किया।

सीओ कार्यालय में फीता काटकर उदघाटन करते एसपी।

कार्यक्रम के दौरान एसपी को संयुक्त अधिवक्ता संघ द्वारा लोकशांति गौरव सम्मान-2023 से भी नवाजा गया। एसपी सतपाल अंतिल ने सीओ कार्यालय को पेपरलेस बनाए जाने के लिए पुलिस उपाधीक्षक रामसूरत सोनकर की सराहना की। वहीं उन्होनें सीओ कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृहद पौधरोपण को भी सराहा। सीओ कार्यालय मे एसपी ने फरियादियों के लिए शीतल पेयजल तथा चहरदीवारी का लोकार्पण भी किया। इसके बाद एसपी सतपाल अंतिल ने कोतवाली गेट पर नवनिर्मित बाउण्ड्रीवाल तथा मेस के सुसज्जीकरण एवं महिला हेल्प डेस्क व पुलिस बैरिक के भी सुदृढ़ीकरण के तहत कराये गये कार्यो को फरियादियों को समर्पित किया। एसपी ने कहा कि पुलिस थानो मे जनसुविधाओं की बढोत्तरी व सुसज्जीकरण का उददेश्य फरियादियों को थानो मे रचनात्मक वातावरण को उपलब्ध कराना है। वहीं उन्होने कहा कि अपराध नियंत्रण मे तभी सफलता मिल सकती है जब पुलिस का व्यवहार जनापेक्षी हो। एसपी ने कोतवाली के अभिलेखो का भी निरीक्षण किया। लंबित मुकदमो के निस्तारण में तेजी लाए जाने को कहा। कार्यक्रम के दौरान संयुक्त अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल तथा उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह एवं रूरल बार के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के साथ एसपी सतपाल अंतिल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। अधिवक्ताओं ने टेज्नी आईपीएस अमृत जैन, एएसपी पश्चिमी रोहित मिश्र, एएसपी पूर्वी विद्यासागर मिश्र, सीओ लालगंज रामसूरत सोनकर, सीओ रानीगंज विनय साहनी, सीओ कुण्डा अजीत कुमार को भी लोक शांति गौरव सम्मान सौपा। कार्यक्रम मे सिविल जज कुंवर दिव्यदर्शी, एसडीएम उदयभान सिंह, तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी शासन की मंशा के अनुरूप सौहार्द व शांति पर जोर दिया। लक्ष्मणपुर ब्लाक प्रमुख प्रेमलता सिंह के प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता राकेश सिंह ने भी पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से एसपी सतपाल अंतिल को सम्मानित किया। इस मौके पर राममोहन सिंह, श्रीराम केसरवानी, सभासद सोनू शुक्ल, धर्मेन्द्र मौर्य, विजय मिश्र बॉबी, आईपी मिश्र आदि मौजूद रहे।

परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले बच्चों का हुआ सम्मान समारोह

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय शेखमोहम्मदपुर के खुशी देबी पुत्री प्रमोद कुमार, पूनम पुत्री विजय बहादुर व प्रिया पुत्री लक्ष्मी चन्द ने कक्षा 8 के बच्चो ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा-2023 में सफलता प्राप्त किया परीक्षा में सफल बच्चों के लिए विद्यालय परिवार के शिक्षकों ने बुधवार को स्कूल परिसर मे बच्चो के माता पिता के सामने सम्मान समारोह का आयोजन किया।

जिसमें सफल बच्चों का माल्यार्पण किया गया और शील्ड तथा अंग्रेजी की डिकटेशनरी आदि उपहार स्वरूप भेट कर मिष्ठान खिलाकर मुँह मीठा किया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर परीक्षा में सफल बच्चों के अभिभावक व शिक्षक रामफल मौर्य (प्र0अ0) आदित्य त्रिपाठी (स०अ०), मोहम्मद जुनैद (स०अ०), महेंद्र कुमार (स0अ0), नरेंद्र कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे। बच्चों के अभिभावको ने बच्चों की इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों को देते हुए आभार ब्यक्त किया। बता दें कि उक्त परीक्षा में सफल बच्चों को कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई के दौरान प्रतिमाह 1000 रुपए की दर से चार साल तक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता के प्रतीक थे डॉ आर के विद्यार्थी

प्रयागराज के गंगातट पर किया गया अंतिम संस्कार

अखंड भारत संदेश

डा0 आर0के0 विद्यार्थी (फाइल फोटो)

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ पत्रकार डॉ आर के विद्यार्थी ने विद्यार्थी संदेश से पत्रकारिता अपने समाचार पत्र संपादन से आरंभ कार जनपद में पत्रकारिता करो एक निष्पक्ष सफल आयाम तक पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक किया पत्रकारिता जगत को श्री आर के विद्यार्थी ने आज अलविदा कहते हुए हम सभी लोगों को छोड़कर छोड़कर सदा सर्वदा के लिए अपना शरीर छोड़ दिए। जनपद के निष्पक्ष पत्रकारिता को एक सफल आयाम तक पहुंचाने और समाज में पत्रकारिता की सुचिता बनाये रखने का मिशाल कायम किया। पत्रकारिता जगत में कई दर्शक समाचार पत्र विद्यार्थी संदेश का प्रकाशन करते हुए निर्विवाद पत्रकारिता का संदेश आवाम को दिया। डॉ आर के विद्यार्थी की निर्विवाद पत्रकारिता का उदाहरण पत्रकारिता जगत के लिए एक सकारात्मक ग्राहय संदेश है। श्री विद्यार्थी अब हम लोगों के बीच में नहीं रहे यह समाचार सुनकर पत्रकारिता जगत में सन्नाटा पसर गया और सभी सामाजिक संगठनों व्यापारिक संगठनों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बिना विचार किए विद्यार्थी भवन की ओर चल दिए और अपने प्रिय पत्रकार डॉ आर के विद्यार्थी के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर उन्हें अलविदा कहा। इस प्रकार विद्यार्थी जी का पार्थिव शरीर विद्यार्थी परिवार के परिजनों और उनके शुभचिंतकों के भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ प्रयागराज के गंगा तट पर अंतिम संस्कार किया गया।

आज मनायी जाएगी डा. अलका तिवारी की पुण्यतिथि

लालगंज, प्रतापगढ़। कमला नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर रहीं डा. अलका तिवारी की पुण्यतिथि आज सत्ताईस अप्रैल को लालगंज तहसील परिसर स्थित लाइब्रेरी हॉल में मनायी जाएगी। पूर्वान्ह ग्यारह बजे से आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा विज्ञान पर परिचर्चा का आयोजन किया गया है। डा. अलका राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी की धर्मपत्नी भी थी। उक्त जानकारी कार्यक्रम के संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल व पप्पू तिवारी ने संयुक्त रूप से दी है।

व्यापार मण्डल ने पुनर्गठन के लिये व्यापारियों को दिया अनुमति पत्र

व्यापारियों ने पुनर्गठन की उठाई थी मांग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी ने परियांवा बाजार व्यवसाईयों को व्यापार मंडल के संविधानानुसार नियमों के तहत परियांवा बाजार व्यवसाइयों को व्यापार मंडल पुनर्गठन हेतु अनुमति-पत्र देकर सहमति प्रदान की।

ज्ञात हो कि परियांवा बाजार व्यवसायियों ने बाजार में एकत्रित होकर आपस में व्यापार मंडल की एक बैठक संपन्न की। जिसमें मुख्य रुप से परियावां बाजार के व्यवसायियों के हित, सुविधा, सम्मान, सुरक्षा हेतु व्यापार मंडल पुनर्गठन की बात कही गई, जिससे व्यवसायियों को शासन प्रशासन द्वारा न्यायोचित सहयोग के साथ ही साथ विभिन्न योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

यापारियों की बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी।

उपरोक्त परियांवा बाजार व्यापार मंडल पुनर्गठन हेतु बाजार के व्यवसायियों ने जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी जी को कुछ दिनों पूर्व एक अनुरोध पत्र देकर बाजार में व्यापार मण्डल पुनर्गठन सहमति हेतु मांग की। जिसपर जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कल सांय परियांवा बाजार से आए हुए अनेक व्यवसायियों को व्यापार मंडल के संविधानानुसार नियमों को अवगत कराते हुए, परियांवा बाजार में पुनर्गठन हेतु अनुमति-पत्र देकर सहमति प्रदान की। जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी ने आए हुए व्यवसायियों को व्यापार मण्डल के रा./प्रा. अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल द्वारा व्यापारी हित हेतु सरकार से किए गए अनेकों मांगो में सरकार द्वारा स्वीकार कर, दिए जाने वाली योजनाओं जैसे कि जीएसटी पंजीकृत व्यवसायियों को दुर्घटना में मृत्यु होने पर दस लाख रुपए परिजनों को सहायतार्थ धनराशि दिए जाने वाली योजना के संदर्भ में, पांच लाख रुपए स्वस्थ बीमा योजना, आयकर दाता व्यवसायियों को पेंशन योजना और दुर्घटनावश दुकान जल जाने पर जलेती बीमा के मांग आदि अन्य योजनाओं के संदर्भ में अवगत कराते हुए संगठन से जुड़ने पर व्यापारियों को मिलने वाले और अतिरिक्त लाभ व सुविधाओं को बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, व्यापारियों के हित-सुविधा-सम्मान-सुरक्षा हेतु कृत-संकल्पित व्यापार मंडल है, यहां प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिलाध्यक्ष सहित कमेटी के समस्त पदाधिकारी बंधु व्यवसायियों के समस्याओं के निराकरण में अग्रणी बन सदैव तत्पर रहते हैं। बैठक में जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी के साथ जिला महामंत्री संजय सोनी, जिला उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र केसरवानी, जिला मंत्री राहुल केसरवानी के अतिरिक्त परियांवा बाजार से आए हुए मिश्री लाल विश्वकर्मा, अतीक अहमद अंसारी, देवेन्द्र कुमार अग्रहरी, आकाश अग्रहरी, डॉ अनंतराम गुप्ता, पिंटू शुक्ला, शिवेन्द्र, गिरजा शंकर अग्रहरी, गौतम कुमार कुशवाहा, राजेश कुमार, विजय कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश शुक्ला, गणेश कुमार, नवल किशोर अग्रहरी, राहुल जायसवाल, मो. सरफराज, गौरव अग्रहरी आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

जीजीआईसी की हिन्दी अध्यापिका को दी गई विदाई

31 मार्च को हुई थीं सेवानिवृत्त

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जीवन महके फूलों जैसा, हर दिन गौरवशाली हो, सुख के मोती इतने बरसे, कभी ना दामन खाली हो, कुछ इसी जज्बे के साथ राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में इस वर्ष 31 मार्च 2023 को सेवानिवृत्त डॉ रंजना अध्यापिका हिंदी का सम्मान एवं विदाई समारोह गरिमा श्रीवास्तव प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में, गीता उप प्रधानाचार्य के संयोजन में एवं डॉक्टर मोहम्मद अनीस एवं डॉ प्रियंका के संयुक्त संचालन में संपन्न हुआ।

विदाई समारोह में हिन्दी अध्यापिका को सम्मानित करते शिक्षकगण।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि डॉक्टर रंजना एक योग्य कर्मठ एवं विद्यालय और शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षिका रही है। विद्यालय की छात्राओं सर्वांगीण विकास करने एवं विद्यालय में अनुशासन स्थापित करने में विशेष सहयोग दिया। उप प्रधानाचार्य ने कहा कि डॉ रंजना एक काबिल एवं अनुभवी शिक्षिका रही है। शिक्षा और शिक्षण के प्रति हमेशा समर्पित रही है। हमेशा समय की पाबंद रही है एवं धर्म के प्रति समर्पित रही है। मुख्य अतिथि डॉक्टर रंजना ने कहा कि समस्त विद्यालय परिवार का सम्मान हमेशा मिलता रहा। विद्यालय में बहुत कुछ सीखा और अनुभव किया। आज विद्यालय परिवार से विदा होते हुए मुझे बहुत दुख हो रहा है। मैं जब जब मौका मिलेगा विद्यालय के लिए कुछ अच्छा हमेशा करती रहूंगी। मैंने हमेशा कर्म को साधना के रूप में महसूस किया। उद्बोधन करने वालों में सविता सिंह, डॉ कल्पना, मंजू कुशवाहा, प्रीति श्रीवास्तव, सरिता, डॉक्टर अस्मत, नीलू अंसारी, डॉक्टर राम मिलन, सिद्धार्थ श्रीवास्तव आदि रहे। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

आरोपी के खिलाफ छेडछाड का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने किशोरी के साथ छेडछाड को लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की पीडिता के पिता ने मंगलवार को पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि उसकी पुत्री बीते रविवार शाम शौच के लिए गयी थी। रास्ते मे पूरे चंदवरियन का पुरवा रामपुर कसिहा गांव का आरोपी जानकी प्रसाद का पुत्र सुरेश कुमार गुप्ता पहले से घात लगाए बैठा था। किशोरी को सूनसान जगह पर अकेली देख वह उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। किशोरी ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसे मुंह खोलने पर जानलेवा धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कालाकांकर राजभवन पंहुची महामंडलेश्वर किन्नर अखाडा प्रयागराज

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। महामंडलेश्वर किन्नर अखाडा प्रयागराज कौशल्या नन्द गिरी (टीना मां) अचानक कालाकांकर राजभवन पूर्व सांसद एव कालेज प्रबंधिका राजकुमारी रत्ना सिंह से औपचारिक मुलाकात करने पंहुची जहां राजकुमारी रत्ना सिंह ने टीना मां का स्वागत करते हुए आभार जताया और कुशल क्षेम पूछा कुछ देर रुकने के बाद टीना मां ने राजकुमारी रत्ना सिंह को परिवार के कल्याण की आशीर्वाद देती हुई प्रतापगढ़ के लिए रवाना हो गई।

रत्ना सिंह से मुलाकात करती महामंडलेष्वर किन्नर अखाड़ा की कौशल्या नंद गिरि।

इस मौके पर राजभवन में मैनेजर डा0 घनश्याम यादव, प्रमोद कुमार पांडे, सुधीर कुमार, कुंवर संतोष सिंह, लोकनाथ मिश्र, रामचंद्र, रवि जायसवाल, हरिशंकर तिवारी (आचार्य) आदि लोग मौजूद रहे।

राधा रमण मिश्र अध्यक्ष व महामंत्री बने अनिल कुमार सिंह

बार एसोसिएशन पट्टी का चुनाव संपन्न

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बुधवार को बार एसोसिएशन पट्टी का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष राधा रमण मिश्र को तथा महामंत्री अनिल कुमार सिंह को चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार पांडे कनिष्ठ उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष श्री राम वर्मा मंत्री प्रकाशन सचिन कुमार सिंह को चुना गया।शाम चार बजे मतगणना के बाद बार एसोसिएशन का चुनाव का परिणाम आना शुरू हो गया जिसमें राधा रमण मिश्र को 117 मत, अशोक कुमार श्रीवास्तव को 67 तथा प्रभात सिंह को 42 मत प्राप्त हुए वहीं महामंत्री के लिए अनिल कुमार सिंह को 110 मनोज कुमार मिश्र को 53 तथा शैलेंद्र तिवारी को 64, वरिष्ठ उपाध्यक्ष में प्रदीप कुमार पांडे को 152 तथा अरविंद कुमार श्रीवास्तव को 72 मत प्राप्त हुए 3 मत नोटा को प्राप्त हुए। कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए विकास श्रीवास्तव को 133 शिव शंकर सिंह को 91 मत कोषाध्यक्ष श्रीराम वर्मा को 128 तथा विजय कुमार मिश्र को 98 मत मिले। सहमंत्री प्रकाशन सचिन कुमार सिंह को 126 तथा अमरजीत शर्मा को 101 मत मिले। वही तीन प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। कनिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश तिवारी सह मंत्री प्रशासनिक मनीष तिवारी तथा पुस्तकालय अध्यक्ष वरुण पांडे को चुना गया।

चुनाव में विजयी पदाधिकारियों का सम्मानित करते अधिवक्तागण।

उमरवैश्य समाज के 15वें सामूहिक विवाह में दिव्यांग जोडा. भी होगा शामिल

15वाँ सामूहिक विवाह 24 नवंबर को होगा संपन्न

प्रतापगढ़। जिला उमरवैश्य समाज सभा की मासिक बैठक अध्यक्ष गुलाब चंद्र उमरवैश्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से 15वें सामूहिक विवाह को सकुशल संपन्न कराने के लिए कमेटियों के गठन पर विचार हुआ। इस बार दिव्यांग जोड़ों कि भी शादी सामूहिक विवाह में होगी। समाज सभा के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया

अश्वनी को मिला विकास परिषद के सचिव का दायित्व

शिशिर खरे को मिली कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत विकास परिषद विशाल की बैठक में अश्वनी केसरवानी को सचिव पद की नई जिम्मेदारी दी गई। साथ ही कोषाध्यक्ष रहते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों की बैठक में सराहना हुई। शिशिर खरे को कोषाध्यक्ष पद का जिम्मा सौंपा गया। जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया। परिषद के अध्यक्ष गिरिजा शंकर मिश्र

ने सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रतापगढ़ में भारत विकास परिषद की शाखा के अवतरण का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत किया। उन्होंने सदस्य संख्या में वृद्धि हेतु सभी सदस्यों से सहयोग का अनुरोध किया। बैठक में अश्विनी केसरवानी ने अपने कोषाध्यक्ष के कार्यकाल का आय-व्यय का लेखा प्रस्तुत किया।

जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ अनुमोदन किय। शिशिर खरे, कोषाध्यक्ष ने सदस्यता वृद्धि हेतु किए गए अपने प्रयासों की चर्चा करते हुए तीन नवयुवक साथियों को शाखा से जोड़े जाने की सूचना दी। कविता केसरवानी महिला संयोजिका के द्वारा एक बौद्धिक खेल का संचालन भी किया गया जिसका सदस्यों ने आनंद उठाया। गोविंद प्रसाद खंडेलवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष, ने प्रयागराज में संपन्न प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में लिये गये विभिन्न निर्णयों से अवगत कराया। संचालन पूर्व अध्यक्ष उदयभानु सिंह ने किया। इस मौके पर नारायण शुक्ल, डॉ. आर. के. सिंह, डॉ. एस. एस. गुप्ता एवं डॉ. आर. के. मिश्र ने भी अपने विचार रखे।

ग्राम पंचायतों की शिकायतों की जांच प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूरी होः जिलाधिकारी

डीएम ने ग्राम पंचायत की लम्बित शिकायतों, बहुउद्देशीय पंचायत भवन निर्माण की किया समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने विकास भवन के सभागार में ग्राम पंचायत की लम्बित शिकायतों के निस्तारण, बहुउद्देशीय पंचायत भवन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के सत्यापन हेतु नामित जांच/सत्यापन अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने जांच/सत्यापन अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत की लम्बित शिकायतों की जांच पूरी कर रिपोर्ट उपलब्ध करायें इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरती जाये। उन्होने कहा कि ग्राम पंचायतों की शिकायतों की जांच जल्द पूरी की जाये ताकि भ्रष्टाचार में संलिप्त प्रधानों पर कार्रवाई की जा सके तथा ग्राम पंचायतों में विकास को मूर्त रूप दिया जा सके। जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से पूरी की जाये, इसमें किसी तरह की अनियमितता नहीं होनी चाहिये। ग्राम पंचायतों में लम्बित जांच की रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करें ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके, जांच को बेवजह लम्बित रखना उचित नहीं है। जिलाधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान सभी की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुये निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ अधिकारीगण जांच करें। उन्होने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित करते हुये कहा कि ग्राम पंचायत की लम्बित शिकायतों के निस्तारण हेतु जो भी जांच अधिकारी नामित है वह अपने कार्यो एवं दायित्वों का शत प्रतिशत अनुपालन करें अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने बहुउद्देशीय पंचायत भवन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के सत्यापन की समीक्षा कर जांच/सत्यापन अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, डीसी मनरेगा इन्द्रमणि त्रिपाठी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश कुमार सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

एमडीपीजी में चल रही परीक्षा में 12 रहे अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

परीक्षा कक्ष का निरीक्षण करते प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र।

प्रतापगढ़। प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं आज दूसरे दिन भी एमडीपीजी कॉलेज सहित जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुईं। एमडीपीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र के निर्देशन में सघन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने दिया गया। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षाएं सुचारू रूप से संपन्न हो रही हैं। आज प्रथम पाली में स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं हुईं। बीए में हिंदी बीएससी मैथ्स एवं जूलॉजी की परीक्षाएं हुईं। द्वितीय पाली में स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षाएं हुईं। बीकॉम में कारपोरेट अकाउंटिंग, बीएससी में जूलॉजी एवं मैथ्स की परीक्षा हुई। एमडीपीजी कॉलेज के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि एमडीपीजी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में 181 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिनमें 169 ने परीक्षा दी और 12 अनुपस्थित रहे जबकि द्वितीय पाली में 276 परीक्षार्थी पंजीकृत थे 265 ने परीक्षा दी और 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। महाविद्यालय के शिक्षक प्रो अरुण कुमार श्रीवास्तव, प्रो अरविंद मिश्र, डॉ0 अभिषेक सिंह, डॉ बलराज मिश्र आदि लगातार परीक्षा की निगरानी करते रहे।

खबर संक्षेप

सरसवां विकास खंड में अपात्रों को दिए गए प्रधानमंत्री आवास

कौशाम्बी। विकास खण्ड सरसवा के चादेराई ग्राम सभा मे सरकारी आवास आवंटन मे जमकर हेरा फेरी हुई है चादेराई ग्राम सभा मे मानक को न देखते हुए अपात्र को सरकारी आवास दिया गया है जिनका पक्का मकान पहले से बना हुआ है वह लोग आवास स्वीकृत होने के बाद सरकारी आवास का पैसा निकाल कर निजी काम मे लगा रहे है, लेकिन आवास का निर्माण नहीं किया गया है फिर भी आवास लाभार्थियों से सरकारी रकम की रिकवरी अभी तक ब्लॉक अधिकारियों ने नहीं कराई है पात्र को सरकारी आवास से दूर रखा गया है जिससे आवास के पात्र लाभार्थी एक आवास पाने के लिए ब्लॉक से लेकर जिले तक का चक्कर लगा रहे हैं आवास आवंटन के धांधली के बाबत जब ग्राम विकास अधिकारी से पूछा जाता है तो वह अनसुनी कर देता है, ग्रामीणो ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि अपात्र आवास की जांच कराई जाए फर्जी आवास आवंटन करने वाले अधिकारियों के साथ लाभार्थियों पर कार्यवाही करते हुए आवास की रकम रिकवरी कराए जाने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुसार पात्रों को आवास दिलाया जाए।

तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़ 11 अवैध तमंचा वा उपकरण बरामद

अवैध शस्त्र फैक्ट्री बरामद कर अभियुक्त को सराय अकिल थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना पुलिस ने अवैध तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए मौके से 11 तमंचा कारतूस और तमंचा फैक्ट्री संचालन करने के लिए उपकरण बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है लिखा पढ़ी के बाद पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया है अभियुक्त का लंबा अपराधिक इतिहास है इसके पहले भी तमंचा समेत तमाम मामलों में अभियुक्त जेल जा चुका है और जमानत पर रिहा किया गया है जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 26 अप्रैल को मुखबिर खास द्वारा सूचना मिली

तमंचा फैक्ट्री खुलासे की जानकारी देते पुलिस अधीक्षक

कि थाना सराय अकिल क्षेत्रान्तर्गत ग्राम उपरहार के यमुना नदी के कछार में स्थित झोपड़ी में अवैध असलहा बनाने की फैक्ट्री चल रही है। इस सूचना पर थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा ग्राम उपरहार में बताये गये स्थान पर दबिश दी गयी जहां से अभियुक्त युसुफ पुत्र कब्बन निवासी ग्राम दिया उपरहार थाना सराय अकिल को गिरफ्तार किया गया तथा 01 अन्य अभियुक्त मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 11 अदद पूर्ण निर्मित असलहा, 20 अदद जिन्दा व 09 अदद खोखा कारतूस तथा शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 132/23 धारा 3/5/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया गया।

सराय अकिल में क्या आम आदमी पार्टी झाड़ू लगाकर कर देगी नगर पंचायत की सफाई!

कौशाम्बी। नगर पंचायत सराय अकिल में चुनाव की सरगर्मी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।चुनाव के लिए मात्र 6 दिन शेष बचे हैं। सभी प्रत्याशी अपनी अपनी जीत के लिए हाथ पैर मार रहे हैं।गली,मोहल्ले और चाय की दुकानों पर जीत हार के समीकरणों पर चर्चा हो रही है। चुनाव में भारतीय जनता पार्टी से रामबहादुर जायसवाल, समाजवादी पार्टी से दिलीप केसरवानी, आम आदमी पार्टी से अनूप सिंह, कांग्रेसी पार्टी से विजमा केसरवानी और बहुजन समाज पार्टी से अरुण जायसवाल समेत 9 प्रत्याशी मैदान में हैं।इन प्रत्याशियों में से कुछ तो अपनी जमानत बचाने के लिए हाथ पैर मार रहे हैं और कुछ प्रत्याशी अपनी पार्टियों की प्रतिष्ठा की लाज बचाने में जी जान से लगे हैं। मतदाताओं की बातों पर ध्यान दिया जाए तो मौजूदा समय में आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी एक दूसरे को टक्कर देते नजर आ रहे है।लोगों का तो यहां तक कहना है कि नगर पंचायत सराय अकिल में कहीं आप झाड़ू लगाकर अन्य दावेदारों का सफाया न कर दे।अब देखना है कि 4 मई को होने वाले चुनाव में ऊंट किस करवट बैठता है।

न्यूज झरोखा

फूट मार्च कर एसपी ने की संदिग्ध व्यक्तियों वाहनों की चेकिंग

एसपी ने दुकानदारों से सड़क पर अतिक्रमण न करने के संबंध में की वार्ता

कौशाम्बी। नगर निकाय चुनाव-2023 के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी मंझनपुर द्वारा पीएसी क्यूआरटी एवं थाना मंझनपुर पुलिस बल के साथ चुनाव को शान्तिपूर्ण माहौल में सकुशल सम्पन्न कराने हेतु थाना मंझनपुर क्षेत्र अंतर्गत चौराह नयानगर न्यायनगर चकनारा, गांधीनगर हजरतगंज आदि स्थानों पर फूट मार्च किया गया तथा संदिग्ध व्यक्तियों वाहनों की चेकिंग करते हुये लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया दुकानदारों से सड़क पर अतिक्रमण न करने के संबंध में वार्ता की गई साथ ही व्यापारियों से बातचीत कर भयमुक्त माहौल के लिए आश्वस्त किया गया एवं सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया तथा भ्रमण के दौरान मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओं को चेक किया गया एवं मौके पर मौजूद आस-पास के मतदाताओं से बातचीत की गई। इस दौरान वाहरी फोर्स के रुकने के लिए बीपी पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज मंझनपुर का निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मनौरी बाजार में बजरंग बली भगवान का द्वितीय भंडारा सकुशल हुआ संपन्न

मनौरी कौशाम्बी। मनौरी बाजार में रेलवे क्रासिंग के पास हनुमान मंदिर में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया , इस भंडारे में मनौरी बाजार के अलावा आस पास क्षेत्र के लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया आयोजक मंडल ने बताया कि इस बार लगभग 8 हजार लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया इस भंडारे की सबसे बड़ी खासियत ये रही अमीर गरीब, ऊंच नीच, जाति पात का भेदभाव मिटाकर सभी लोगो ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।मनौरी के सभी लोगो ने भंडारे में आए अतिथियों का भव्य स्वागत किया और प्रेम पूर्वक प्रसाद वितरित किया मनौरी बाजार के सभी युवा व वरिष्ठ नागरिकों ने मिलजुल कर भंडारे को संपन्न कराने में अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे थे।

उदय प्रकाश इं. कालेज सिरसी चरवा के छात्र- छात्राओं ने यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में लहराया परचम

कौशाम्बी। उदय प्रकाश इण्टर कॉलेज सिरसी चरवा कौशाम्बी के छात्र छात्राओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षा परिणाम की घोषणा दिनांक 25 अप्रैल 2023 को हुआ परीक्षा परिणाम देखते ही छात्र एवं छात्राओं तथा अध्यापकों के चेहरे खिल उठे और सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया और बधाई दिया हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में अभिषेक सिंह 96.33%, प्रिया यादव 88.83 %, शेष सागर सिंह 88.33 % , सुहाना शाक्य 83.00 %, , मोहिनी यादव 82 .50%, सुमन कुमारी 81.33%, शिवानी यादव 79..16%, श्रेया यादव 78.16%, अंक प्राप्त किया वही इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में विशाखा 76.40%, शीलू कुमारी 70.20%, शालू यादव 69.40%, रिया यादव 68.20% , सूरज 67.00% , नीलू पाल 66.60%, रोशनी देवी 65.60%, पूनम कुमारी 65.20%, अंक प्राप्त किया। इण्टर कालेज के प्रबंधक श्रीनिवास यादव व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश यादव ने सफलता पर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया और अपने संदेश में कहा कि सफलता कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम होता है शिक्षा के ही माध्यम से परिवार ,समाज ,देश का विकास संभव होता है शिक्षा प्राप्त करना सभी का मूल अधिकार होता है! कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक हरी प्रसाद शर्मा, चन्द्र मोहन त्रिपाठी,सौरभ यादव, दिनेश कुमार,रूपम, पप्पू, कुलदीप आदि लोग मौजूद रहे।

घर से गायब हुआ स्कूली छात्र

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे में भवन्स मेहता विद्यालय का छात्र बुधवार को रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गया है अचानक छात्र के गायब होने के बाद परिजन परेशान हो गए हैं परिजनों ने मामले की सूचना कोखराज पुलिस को दी है बताया जाता है कि मेहता कॉलेज का रिजल्ट आने के बाद छात्र के पिता ने उसे डांट दिया था जिससे छात्र अभिषेक केसरवानी पुत्र जयप्रकाश केसरवानी भरवारी रोड भवंस मेहता के पास बुधवार की सुबह 7:00 बजे घर से बिना बताए गायब हो गया है स्कूली छात्र के गायब होने के बाद से परिजन परेशान है और संभावित स्थान पर उसे खोज रहे हैं लेकिन उसका कही सुराग नहीं लगा परिजनों ने कहा कि यदि किसी सज्जन को स्कूली छात्र के बारे में जानकारी मिले तो वह मोबाइल नंबर 9919514960, 8887956490, 8090266868, 9838721312 पर सूचना दें।

भाजपा प्रत्याशी शांति कुशवाहा के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की अध्यक्ष बनने पर प्रदेश और केंद्र दोनों भाजपा सरकारों के सहयोग से नगर पंचायत अझुवा में विकास की बहेगी बयार

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। भाजपा प्रत्याशी शांति कुशवाहा के समर्थन में उमड़े जनसैलाब ने डोर टू डोर लोगों से प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन मांगा। डोर टू डोर काम्बिंग में वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की अध्यक्ष बनने पर प्रदेश और केंद्र दोनों भाजपा सरकारों के सहयोग नगर पंचायत अझुवा में विकास की बयार बहेगी। भाजपा नेता ओमप्रकाश कुशवाहा ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो लोगों के विकास में विश्वास करती है। नगर पंचायत अझुवा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में भाजपा नेताओं ने डोर टू डोर प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन मांगा। नेताओं ने विकास के मुद्दे पर प्रत्याशी की वोट करने को कहा। वे यहीं पर नही रुके

बल्कि उन्होंने विपक्षियों की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि उनसे सावधान रहें इनका काम केवल लोगों को भ्रमित कर मलाई काटना है। उन्होंने शांती देवी कुशवाहा को रिकार्ड मतों से जीत दिलवाने की अपील की है। इस दौरान ओमप्रकाश कुशवाहा, करन सिंह, मिथलेश केसरवानी,हीरालाल मौर्य, ओमप्रकाश गुप्ता, बड़ेलाल केसरवानी, फूलचन्द्र केसरवानी, कपूरचंद केसरवानी, चुन्नू केसरवानी,रमेश केसरवानी नेता जी, सोनू अग्रहरी, ननका स्वर्णकार शिव प्रताप मौर्य, गुड्डू दराना, अनिल केसरवानी, शिबू अग्रहरी, सुधर टण्डन, ज्ञान शर्मा, अनवर खान जगदीश केसरवानी, प्रशांत केसरवानी, गुलाब लोधी, रामचन्द्र लोधी, जुगराज लोधी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

निकाय चुनाव में मतदान की पूर्व रात में बड़ी तादाद में शराब वितरण की तैयारी!

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। निकाय चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बड़ी तादाद में शराब की भट्टियाँ संचालित हो रही है मतदान के 1 दिन पूर्व आधी रात को शराब वितरण करने की योजनाएं बनाई गई है जिससे मतदाताओं के मन मस्तिष्क में बदलाव करते हुए चुनाव प्रभावित किया जा सके लेकिन अवैध तरीके से संचालित शराब भट्ठियों पर अभी तक चौकी पुलिस ने कार्यवाही नहीं की है जिससे मतदान के समय प्रत्याशी अपने मंसूबे पर सफल हो सकते हैं। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल चौकी से ट्रांसफर चौकी इंचार्ज सैय्यद सरावां चौकी प्रभारी बने हुए है अभी दो महीने भी नही हुए है लेकिन चायल चौकी के बॉर्डर से सटे सैय्यद सरावां चौकी के कुछ ग्राम सभा में संगठित अपराध के व्यवसाय तेजी से शुरू है जिन पर पुलिस

चायल चौकी से सटे सैय्यद सरावां चौकी के बॉर्डर पर हो रहा गोरख धंधा

रोक नहीं लगाती दिख रही है अवैध शराब कारोबारियों का बोल बाला है यहां सैय्यद सरावां चौकी प्रभारी अपना हुकुम जमा बैठे है। अवैध शराब बनाए जाने से शराब माफियाओं द्वारा निकाय चुनाव को प्रभावित किया जा सकता है सूत्रों की मानें तो चुनाव के 1 दिन पूर्व आधी रात को मतदाताओं के बीच बड़ी तादाद में शराब वितरण किया जाएगा ग्रामीणों का कहना है की सुधवर हल्का सिपाही अवैध शराब भट्ठी और जुएं की फड़ क्षेत्र में संचालित करवाते है। इलाके के लोगों ने पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए संगठित अपराध पर कार्रवाई की मांग की है।

गौशालाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा उदयन सभागार में गौशालाओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की गयी।बैठक में जिलाधिकारी ने विकास खण्डवार लक्ष्य के सापेक्ष भूसा दान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को आमजन को जागरूक करते हुए भूसा दान में प्रगति लाने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी ई0ओ0 को भी आमजन को जागरूक कर भूसा दान में प्रगति लाने के निर्देश दियें। उन्होंने गौशालाओं में गोवंशों को ग्रीष्म ऋतु से बचाव के सम्बन्ध में शासनादेशानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों से सभी गौशालाओं का सत्यापन कराने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दियें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि गौशालाओं में नियुक्त केयरटेकरों में से कम से कम एक केयरटेकर 24 घण्टें गौशालाओं में उपस्थित रहें।जिलाधिकारी ने गौशालाओं के लिए चिन्हित चारागाह भूमि पर चारे की बुआई की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि चारागाह भूमि पर शत-प्रतिशत बुआई सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने चिन्हित चारागाह भूमि पर चारे की बुआई में लापरवाही पाये जाने पर खण्ड विकास अधिकारी, सरसवॉ एवं पशु चिकित्साधिकारी, सरसवॉ को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि आवारा घूम रहें गोवंशों को पकड़वाकर गौशालाओं में संरक्षित किया जाय, गोवंशां के आवारा घूमने की कहीं से भी शिकायत आने पर तत्काल गोवंश को पकड़वाकर संरक्षित कराया जाय। उन्होंने सहभागिता योजना के तहत गोवंशों की सुपुर्दगी में तेजी लाने के निर्देश दियें। उन्हांने सभी

लापरवाही बरतने पर बीडीओ, सरसवॉ एवं पशु चिकित्साधिकारी, सरसवॉ को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश

गौशालाओं में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था के साथ ही भूसा-चारा आदि आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित रखने के निर्देश दियें बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ए0के0 सागर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंगूर लदी डीसीएम पलटी चालक गंभीर घायल

नासिक से अंगूर लेकर प्रयागराज जा रहा था चालक

कोखराज कौशाम्बी। डीसीएम वाहन में नासिक से अंगूर लेकर प्रयागराज जा रहे चालक की झपकी लग जाने से कोखराज थाना क्षेत्र में डीसीएम पलट गई जिससे हादसे में डीसीएम चालक वाहन के नीचे दब गया जिससे चालक को गंभीर चोटें आई हैं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन के नीचे दबे चालक को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है बताया जाता है कि इस दुर्घटना में दो लाख रुपए का अंगूर नष्ट हो गया है। घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज क्षेत्र के बाईपास रोड़ के पास बुधवार की सुबह चार बजे अंगूर लदी डीसीयम पलट गयी वाहन में लगभग 350 कैरट अंगूर लदा हुआ था जो सड़क पर बिखर गया दुर्घटना के बाद दो लाख रुपए के अंगूर के नष्ट होने की संभावना जताई जाती है सूचना पाते ही मौके पर कोखराज पुलिस ने पहुंच कर चालक को बाहर निकाल लिया जिसको सर व पैर में चोट लगी थी घायल चालक को पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में इलाज कराने के बाद मालिक को सूचना दी चालक के अनुसार नासिक से अंगूर लेकर प्रयागराज मुंडेरा मंडी में पहुंचने जा रहे थे कि अचानक झपकी लग जाने से गाड़ी डिवाइडर से टकरा जाने पर रोड किनारे गड्ढे में पलट गयी है जिससे लगभग दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

ई रिक्शा पलटने से मजदूर के बेटे की मौत

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के काजू गांव का आकाश उम्र 18 वर्ष पुत्र राम चन्द्र पासी गांव के ही गामा पुत्र राम बली पाल के ई रिक्शा में बैठ कर वेरूआ स्थित पिट्रोल पम्प पर डीजल लेने जा रहा था ! जैसे ही काजू गांव के तिराहे पर चालक पहुंचा तेज व लापरवाही के कारण ई रिक्शा के पलटने से मजदूर के बेटे की दब कर मौत हो गई है ! राम चन्द्र पासी के दो लड़का व तीन लड़की में से सबसे बड़ा लड़का आकाश था ! मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनो में कोहराम मच गया है! मौके पर चरवा पुलिस पहुंच कर डेड बॉडी को कब्जे में ले कर एंबुलेंस की मदद से पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा!

अधिकारी कम नेता बनने की राह पर चल चुके हैं बीएसए!

शिक्षा महानिदेशक के टाइम एंड मोशन स्टडी के आदेश की धज्जियां उड़ाने में बीएससी को हासिल है महारत, आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाने वाले बेसिक शिक्षा अधिकारी के कारनामे को जिला निर्वाचन अधिकारी ने नहीं लिया संज्ञान

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बेसिक शिक्षा अधिकारी कौशांबी के भी कारनामे निराले हैं कभी उनके कार्यकाल में बच्चों में वितरण होने वाली पुस्तक को वितरण करने के बजाय कबाड़ी की दुकान में बेचने का आरोप उन पर लगता है कबाड़ी की दुकान से पुस्तक के बरामद होने के बाद भी बेसिक शिक्षा अधिकारी पर कार्यवाही नहीं हुई है जबकि कबाड़ी की दुकान से बरामद पुस्तकों के वितरण की सूचना बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मुख्यमंत्री को पूर्व में भेज दी थी कभी मुख्यमंत्री को झूठी सूचना देकर शिक्षा व्यवस्था चौपट करने का आरोप बेसिक शिक्षा अधिकारी पर लगता है बड़ी लापरवाही के चलते परिषदीय विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चौपट है समय से विद्यालय अध्यापक नहीं पहुंच रहे हैं पठन-पाठन की गुणवत्ता गिर चुकी है शिक्षा विभाग के दर्जनों शिक्षक नेता बन चुके हैं जो पूरे दिन बीएसए कार्यालय में हाजिर रहकर विभागीय गणित करने में माहिर हैं शिक्षक नेताओं के साथ रहते-रहते बेसिक शिक्षा अधिकारी भी अपने दायित्व को भूलकर नेता

शिक्षकों के साथ कार्यक्रम में शामिल बेसिक शिक्षा अधिकारी

बन गए हैं मंच पर महिमामंडित हो रहे हैं विभागीय कार्य छोड़कर विद्यालय समय में एक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि बन कर बेसिक शिक्षा अधिकारी पहुंचे और जमकर वहां भाषण बाजी की इतना ही नहीं अपने साथ कई शिक्षकों को भी कार्यक्रम में लगाए रहे जिससे पठन-पाठन बाधित रहा शिक्षा महानिदेशक के टाइम एंड मोशन स्टडी के आदेश की धज्जियां उड़ाने में बेसिक शिक्षा अधिकारी को तनिक संकोच नहीं लगा है। दूसरी तरफ नगर निकाय का चुनाव चल रहा है आदर्श आचार संहिता की घोषणा अपर जिलाधिकारी ने की है लेकिन बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए कार्यक्रम में पहुंच गए जहां स्वागत समारोह सम्मान के साथ-साथ जमकर भाषण बाजी हुई आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाने वाले बेसिक शिक्षा अधिकारी के कारनामे को अभी तक जिला निर्वाचन अधिकारी ने भी संज्ञान नहीं लिया है क्षेत्र के लोगों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए कार्यक्रम में शामिल होने वाले बेसिक शिक्षा अधिकारी पर मुकदमा दर्ज कराते हुए इन पर विभागीय कार्यवाही किए जाने की मांग की है लोगों ने शिक्षा महानिदेशक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए डीजी के टाइम एंड मोशन स्टडी के आदेश की धज्जियां उड़ाने वाले बेसिक शिक्षा अधिकारी को निलंबित किए जाने की मांग की है योगी सरकार में अधिकारी से नेता बनने की राह पर चल चुके बेसिक शिक्षा अधिकारी कौशाम्बी के कारनामों से चौपट हुई जिले की परिषदीय शिक्षा व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए क्या शासन प्रशासन के जिम्मेदार बेसिक शिक्षा अधिकारी पर कठोर कार्रवाई करेंगे या फिर शासन का आदेश इसी तरह रद्दी में चला जाता रहेगा यह योगी सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

जनपद वासी पोर्टल पर पंजीकरण कर बनायें फैमिली आईडी : एडीएम

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा उ0प्र0 में निवास करने वाले सभी परिवारों के लिए फैमिली आईडी-एक परिवार एक पहचान योजना प्रारम्भ की गयी है। जनपद कौशाम्बी में निवास करने वाले सभी परिवारों के लिए फैमिली आईडी बनाया जाना है। जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित परिवारों की राशन कार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है। जनपद के ऐसे परिवार जो राशन कार्ड के पात्र नहीं हैं, वे फैमिली आईडी पोर्टल पर आवेदन कर फैमिली आईडी बनवा सकतें हैं।

फैमिली आईडी का उद्देश्य : फैमिली आईडी का उद्देश्य भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फैमिली आईडी से सहूलियत होगी। फैमिली आईडी न होने के कारण सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता हैं। पात्र लाभार्थियों को शत-प्रतिशत आच्छादित करना, डुप्लीकेट या फर्जी लाभार्थियों को हटाना, छूटे हुए लाभार्थियों और जरूरतमंद परिवारों की प्राथमिकता के आधार पर पहचान, सरकार की सभी योजनाओं का संतृप्तीकरण एवं लाभों के लक्षित वितरण के लिए सभी विभागों का एकीकरण करना हैं।

फैमिली आईडी क्या है : फैमिली आईडी प्रत्येक परिवार के लिए 12 अंको की एक विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसमें परिवार के सदस्यों का विवरण दिया होगा। फैमिली आईडी डेटाबेस योजनाओं में पात्रता निर्धारित

जनपद के ऐसे परिवार जो राशन कार्ड के पात्र नहीं हैं, वे फैमिली आईडी पोर्टल पर आवेदन कर फैमिली आईडी बनवा सकतें हैं

करने तथा लाभ से वंचित पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के लिए केन्द्रीय भण्डार के रूप में कार्य करेंगी।

फैमिली आईडी के लिए आवेदन कैसे करें : आवेदक अपना पंजीकरण फैमिली आईडी पोर्टल पर कर सकतें हैं। आवेदन अपना नाम एवं मोबाइल नम्बर के माध्यम से मोबाइल ओ0टी0पी0 तथा कैप्चा का उपयोग कर पोर्टल पर पंजीकरण पूर्ण करेंगे। यदि परिवार के पास पूर्व में राशन कार्ड उपलब्ध है तो फैमिली आईडी पोर्टल पर आधार नम्बर के साथ लॉगिन करने पर यह मैसेज प्रदर्शित होगा कि आपके परिवार की फैमिली आईडी उपलब्ध है। आवेदक दिये गये टैब पर क्लिक कर अपना फैमिली आईडी प्रिन्ट/डाउनलोड कर सकतें हैं। यदि परिवार के पास राशनकार्ड उपलब्ध नहीं है तो फैमिली आईडी पोर्टल पर आवेदक द्वारा मोबाइल नम्बर एवं आधार संख्या दर्ज करने पर मैसेज प्रदर्शित होगा कि आपके परिवार की फैमिली आईडी उपलब्ध नहीं है, आवेदक द्वारा उसके पश्चात अपने परिवार का रजिस्ट्रेशन किया जायेंगा। पंजीकरण के पश्चात लेखपाल एवं सचिव, ग्राम पंचायत द्वारा सत्यापन किया जायेंगा।अपर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से आवाह्न किया है कि जिन परिवारों ने अभी तक फैमिली आईडी के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं किया है वे ऑनलाइन आवेदन कर फैमिली आईडी अवश्य बनवा लें।

अखंड भारत संदेश
प्रयागराज, गुरूवार
27.04.2023

जन संपादकीय

तबस्सुम की सफलता और कुछ सवाल

कर्नाटक की छात्रा तबस्सुम शेख ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अप्रैल के महीने में हिंदुस्तान के लोग लगभग हर साल इसी तरह की सुर्खियों को देखते हैं कि लड़कियों ने लड़कों को पछाड़ा या बोर्ड में लड़कों से आगे रही लड़कियां, आदि आदि। लेकिन तबस्सुम का मामला कुछ अलहदा है, उन्होंने बोर्ड में पहला स्थान हिजाब विवाद के बीच हासिल किया है। पाठक जानते हैं कि कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर बड़ा विवाद खड़ा हुआ, जिसके लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाया गया। कर्नाटक की भाजपा सरकार ने पिछले साल की शुरूआत में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर पाबंदी लगा दी थी, क्योंकि यह एक धार्मिक लिबास है और सरकार इसे स्कूल-कॉलेज के ड्रेस कोड के अनुरूप नहीं मानती। लेकिन फिर भी कई लड़कियों ने हिजाब पहनना नहीं छोड़ा, तो उन्हें कक्षा में बैठने की अनुमति ही नहीं दी गई। कुछ जगहों पर हिंदुत्व के प्रचारक युवा केसरिया गमछा पहनकर विरोध करने लगे। हिजाब पहनी मुस्लिम छात्राओं को भयभीत करने के लिए जय श्रीराम के नारे भी कुछ जगहों पर लगे। हाईकोर्ट ने भी शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं दी। सरकार के फैसले के खिलाफ कई लड़कियों ने अपील दायर की, तबस्सुम भी उन्हीं में से एक थी। बहुत सी लड़कियों ने हिजाब न पहनने के कारण कक्षाओं में जाना छोड़ दिया और कई का तो साल भी बर्बाद हो गया, क्योंकि वे परीक्षा नहीं दे पाईं। लेकिन तबस्सुम के पिता ने उन्हें समझाया कि कानून का पालन करना चाहिए और शिक्षा बच्चों के लिए किसी भी चीज से अधिक महत्वपूर्ण है। तबस्सुम ने उनकी नसीहत पर अमल करते हुए हिजाब के ऊपर शिक्षा को चुना और उम्दा अंक लाकर अव्वल स्थान प्राप्त किया। तबस्सुम की यह सफलता की कहानी अब टीवी चैनलों से लेकर कई बड़े अखबारों में छाई हुई है। कोई लड़की तमाम विवादों के बीच अगर अच्छे से पढ़कर पहला स्थान हासिल करे, तो वह वाकई अन्य विद्यार्थियों के लिए मिसाल है। क्योंकि बहुत से बच्चे सारी सुख-सुविधाओं और संसाधनों के बावजूद पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते हैं, अपनी काबिलियत का सही इस्तेमाल नहीं करते हैं। लेकिन तबस्सुम की सफलता की कहानी जिस तरह सुनाई-दिखाई जा रही है, उसे बहुत बारीकी से देखें तो कहानी के पीछे कोई और ही कहानी नजर आएगी। लगभग हर जगह यही बताया जा रहा है कि तबस्सुम ने हिजाब के ऊपर शिक्षा को चुना। तो क्या यह सवाल नहीं किया जाना चाहिए कि हिजाब और शिक्षा को एक पलड़े में रखा कैसे गया। किसने ऐसा करने दिया। किसी बच्ची को दोनों में से किसी एक को चुनना पड़े, ऐसी नौबत क्यों आई। अगर तबस्सुम में हिजाब में रहती, तो क्या उसकी मेधा पर कोई असर पड़ता। या हिजाब न पहनने के कारण उसकी बौद्धिक क्षमता इतनी बढ़ गई कि वह सीधे प्रथम स्थान पर आ गई। तबस्सुम शुरू से मेधावी और मेहनती दोनों रही होगी, तभी उसने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की। तबस्सुम के अच्छे अंक देखकर तो यह विचार भी आता है कि उसकी तरह और भी दूसरी लड़कियां ऐसी प्रतिभाशाली होंगी, लेकिन उन्होंने हिजाब और शिक्षा में हिजाब को चुना, तो वे परीक्षा ही नहीं दे पाईं। तबस्सुम का साक्षात्कार लेने वाले कई पत्रकारों ने उनसे कई सवाल किए होंगे, लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इस्लाम का पालन करने वाली छात्राओं के सामने इस तरह विकल्प चुनने की नौबत क्यों आई। हिजाब पहनना या न पहनना किसी की व्यक्तिगत पसंद होनी चाहिए और यह पैमाना हर धर्म और हर नागरिक के लिए होना चाहिए। तभी व्यक्तिगत आजादी का अधिकार कायम रहेगा। यह सही है कि भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और शिक्षा संस्थानों में किसी भी धर्म को बढ़ावा दिए जाने वाली गतिविधियों को करना नैतिक रूप से सही नहीं है। मगर कितने ही विद्यालयों में प्रार्थना के बाद गायत्री मंत्र उच्चारित किया जाता है। सरस्वती की मूर्ति अनेक शैक्षणिक परिसरों में है, क्योंकि उन्हें ज्ञान की देवी माना जाता है। बोर्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा का दाखिला पत्र मिलने के वक्त यज्ञ और हवन करवाने की परिपाटी कई विद्यालयों में है। यह सब बरसों-बरस होते आया है और इस पर कोई विवाद, कोई हंगामा नहीं हुआ। क्योंकि भारत की तहजीब ऐसी ही है। मगर हिजाब पहनने पर जिस तरह का विवाद खड़ा हुआ और इस पर राजनीति हुई, उससे न जाने कितनी बच्चियों के पढ़ने और बढ़ने के सपने कुचल दिए गए हैं। तबस्सुम ने अपने सपने को बचाने के लिए अपनी हिजाब पहनने की इच्छा को छोड़ा, क्या यह सही हुआ, यह सवाल समाज को ईमानदारी से खुद से करना चाहिए। किसी भी परीक्षा में प्रथम आना मायने रखता है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात ये है कि शिक्षा के सरोकार पूरे हो रहे हैं या नहीं, हम किन मायनों में शिक्षित हो रहे हैं, शिक्षा हासिल करके हमारी सोच का दायरा व्यापक हो रहा है, या हम संकीर्ण विचारों की तंग गलियों में ही विचर रहे हैं। भारत में कबीर और रैदास जैसे संत कवियों की परंपरा रही है, जो जुलाहे या मोची का काम करते हुए अपनी उदार सोच और व्यापक दृष्टिकोण के साथ सड़ी-गली रुढ़ियों को चुनौती देते रहे। जबकि आज के हिंदुस्तान में कई नामी-गिरामी डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और अन्य उच्च शिक्षित लोग हैं, जो अब भी धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाने में लगे हैं, और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जगह अंधविश्वासों को बढ़ावा देते हैं।

न्याय की आस में पहलवान

"**पोडियम** से फुटपाथ तक, आधी रात खुले आसमान के नीचे न्याय की आस में।" ये किसी कविता की पंक्तियां नहीं हैं, कड़वी सच्चाई बयां करता हुआ ट्वीट है। विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन चैंपियनशिप में कई पदक जीत कर भारत का नाम रोशन करने वाली पहलवान विनेश फोगाट ने ये झकझोरने वाला ट्वीट किया है। सोमवार 23 अप्रैल को विनेश फोगाट के साथ साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया समेत कई और पहलवान जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे और फुटपाथ पर ही रात गुजारी। अंतरराष्ट्रीय ख्याति के ये पहलवान अपने लिए किसी सुविधा या रियायत की मांग नहीं कर रहे, कोई सरकारी बंगला, गाड़ी या नौकरी नहीं मांग रहे। वे केवल अपने लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं। और इंसाफ भी उस इल्जाम पर, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्म का कारण है। इन पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि बृजभूषण खुद को पाक-साफ कह रहे हैं, लेकिन आरोपी अपने लिए खुद फैसला नहीं सुना सकता। ये काम तो अदालत का होता है और इसके लिए बाकायदा एक प्रक्रिया न्याय व्यवस्था के तहत बनी हुई है। जिसकी पहली सीढ़ी पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी होती है। लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक दिल्ली पुलिस ने इन पहलवानों की शिकायत पर एफआईआर यानी प्राथमिकी तक नहीं लिखी है। और ऐसा नहीं है कि इन खिलाड़ियों ने पहली बार धरना दिया हो। इस साल जनवरी में भी पहलवान इसी जंतर-मंतर पर इसी शिकायत के साथ धरने पर बैठे थे। लेकिन तब भी ब्रजभूषण शरण सिंह पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि खेल मंत्रालय ने एक जांच समिति गठित कर दी थी। जिसने क्या काम किया, किस तरह की जांच की और कैसी रिपोर्ट बनाई, यह अभी सार्वजनिक नहीं है। दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की जगह यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति से रिपोर्ट मांगी है। मान लें कि जांच समिति की रिपोर्ट में ब्रजभूषण शरण सिंह को निर्दोष बताया जाए और खिलाड़ियों के आरोप बेबुनियाद, तो क्या पुलिस एफआईआर लिखने से इंकार कर सकती है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154 और 155 के तहत थाना प्रभारी का कानूनन कर्तव्य है कि वह किसी भी अपराध की शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज करे। साथ ही शिकायत देने वाले को इसकी पावती मुफ्त में दे। अगर पुलिस अधिकारी प्राथमिकी दर्ज करने से मना करता है, तो उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 166 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। 2013 में ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने आदेश दिया था कि गंभीर अपराधों की शिकायत मिलते ही पुलिस अधिकारी को एफआईआर दर्ज करनी होगी। वह इससे इनकार नहीं कर सकता है। अगर ऐसा करता है, तो पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। लेकिन ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न जैसी गंभीर शिकायत पर दिल्ली पुलिस का रवैया हैरान कर रहा है। पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही, तो अब पहलवानों को सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ा है। जब अंतरराष्ट्रीय ख्याति के खिलाड़ियों को इंसाफ के लिए धरने पर बैठना पड़े और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़े, तो समझा जा सकता है कि देश में कानून व्यवस्था की कैसी दुर्गति कर दी गई है और आम आदमी के लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ना कितना दुष्कर हो गया है। विडंबना ये है कि जिस वक्त कई भारतीय पहलवान धरने पर बैठे हैं, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर में चल रहे खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि, "पिछले साल भारत के एथलीटों ने इतने सारे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में कमाल का प्रदर्शन किया। उनकी जीत का जश्न मनाने के साथ-साथ हमें यह भी सोचना चाहिए कि हम उनकी और मदद कैसे कर सकते हैं।" प्रधानमंत्री की बातों और व्यवहार में कितना अंतर है, उसका इससे बेहतर प्रमाण नहीं मिल सकता। खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को जीतते हैं, तो इसमें निजी उपलब्धि के साथ देश के लिए गौरव भी जोड़ते चले जाते हैं। ऐसे में उनकी मदद करने की बात करने की बात करके प्रधानमंत्री उन्हें याचक की तरह देख रहे हैं। श्री मोदी को यह समझना चाहिए कि खेल हो या अन्य कोई क्षेत्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए, ताकि प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिले और देश के खाते में उपलब्धियां जुड़ती जाएं। सरकार ये सुविधाएं जनता के दिए धन से ही जुटाएगी, इसलिए इसमें मदद करने जैसा कोई भाव होना ही नहीं चाहिए। बल्कि प्रधानमंत्री मोदी को ये सोचना चाहिए कि किसी के साथ भी अन्याय न हो और यौन उत्पीड़न जैसे आरोप लगें तो उनकी त्वरित जांच हो। जनवरी में जब भारतीय पहलवान धरने पर बैठे थे, तभी श्री मोदी अगर ब्रजभूषण शरण सिंह पर कड़ी कार्रवाई का फैसला लेते, तो उनके विचारों और कार्यों में एकरुपता नजर आती। तब उनके बेटी बचाओ वाले नारे की सार्थकता भी साबित होती। लेकिन अभी तो देखकर निराशा होती है कि किस तरह आरोपों पर चयनात्मक तरीके से का?र्वाई होती है। सत्तारुढ़ दल से संबंधित लोगों पर पुलिस या जांच एजेंसियों की निगाहें नहीं पड़तीं, भले ही उनके खिलाफ कितने भी गंभीर इल्जाम क्यों न हों और यही इल्जाम अगर विरोधी दल के किसी व्यक्ति पर हो, तो न केवल फौरन कार्रवाई होती है, बल्कि इसे राजनैतिक तौर पर भुनाना भी शुरू कर दिया जाता है। इंसाफ की देवी की आंख पर पट्टी इसलिए होती है कि वह बिना किसी पक्षपात के न्याय कर सके। लेकिन सरकार न्याय के इस तकाजे के विपरीत काम कर रही है। तीन महीने बाद फिर से जंतर-मंतर पहुंच चुके पहलवानों को कब तक न्याय मिलेगा, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस बार उन्होंने राजनैतिक दलों से भी साथ आने कहा है, तो इतना तय है कि अब यह मुद्दा आगामी चुनाव में उछाला जाएगा। पिछली बार के धरने में साथ देने पहुंची माकपा नेता वृंदा करात को मंच पर आने नहीं दिया गया था। अब सभी राजनैतिक दलों के लिए धरने पर बैठे पहलवानों ने जगह बना दी है।

प्रधानमंत्री की बातों और व्यवहार में कितना अंतर है, उसका इससे बेहतर प्रमाण नहीं मिल सकता। खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को जीतते हैं, तो इसमें निजी उपलब्धि के साथ देश के लिए गौरव भी जोड़ते चले जाते हैं। ऐसे में उनकी मदद करने की बात करने की बात करके प्रधानमंत्री उन्हें याचक की तरह देख रहे हैं। श्री मोदी को यह समझना चाहिए कि खेल हो या अन्य कोई क्षेत्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए, ताकि प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिले और देश के खाते में उपलब्धियां जुड़ती जाएं। सरकार ये सुविधाएं जनता के दिए धन से ही जुटाएगी

तारिक फतेह क्यों चुभते थे कठमुल्लों को

आर.के. सिन्हा

तारिक फतेह को उनके चाहने वाले एक बेखौफ लेखक के रूप में याद रखेंगे। वे सच का साथ देते रहे। वे भारत के परम मित्र थे। उन्हें इस बात का गर्व रहा कि उनके पूर्वज हिंदू राजपूत थे। वे बार-बार कहते-लिखते थे कि भारत,पाकिस्तान और बांग्लादेश के तमाम मुसलमानों के पु?खे हिंदू ही थे और उन्हें जबरदस्ती मुसलमान बनाया गया था । उनकी इस तरह की साफगोई कठमुल्लों को नागवार गुजरती थी। तारिक फतेह हिंदी पट्टी के मुसलमानों के दिल में चुभते हैं। उनकी तारीफ यह थी कि वह डंके की चोट पर अपने पूर्वजों को हिंदू बताते रहे। बहुत कम मुसलमान यह हिम्मत दिखा पाते हैं। वह मुस्लिम सांप्रदायिकता पर लगातार चोट करते रहे। तारिक फतेह पहली बार 2013 में भारत दौरे पर आए थे तब उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाकिस्तान को तो अब भूल जाइए। इसको एक न एक दिन कई टुकड़ों में टूटना ही है। वो दिन भी दूर नहीं जब बलूचिस्तान और सिंध उससे अलग हो जाएगा। पाकिस्तानी सेना एक औद्योगिक माफिया है जिसका अपने देश के अनाज, ट्रकों, मिसाइलों से ले कर बैंकों तक पर नियंत्रण हैं।' यह सुनकर पाकिस्तान के हुक्मरान तिलमिला गए थे। वे मानते थे कि, 'भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां मुसलमान बिना डरे स्वतंत्रतापूर्वक काम करते हैं।' तारिक फतेह से जितने लोग मुहब्बत करने वाले हैं उससे बहुत ही कम नफरत करने वाले हैं। वे कभी इस्लाम की आलोचना नहीं करते थे, बल्कि इस्लाम के नाम पर झूठे गौरव और पाखंड की बखिया उधेड़ देते थे। अच्छा से अच्छा मौलवी उनके छोटे से चुभते हुए तर्क से तिलमिला कर रह जाता था। एक बार एक मौलवी साहब औरंगजेब की बहुत तारीफें कर रहे थे और उसे सच्चा और अनुकरणीय मुसलमान साबित कर रहे थे । तारिक फतह ने उससे सिर्फ.एक सवाल किया कि अगर औरंगजेब एक सच्चा मुसलमान था तो क्या उसने हज की थी ? मौलवी साहब बगलें झाँकते नजर आने लगे और उनकी सारी पिछली तारीफों पर फतेह साहब के एक सवाल ने पानी फेर दिया । किसी मुसलमान पर हज उतना ही बड़ा फर्ज.है जितने कि नमाज, रोजा और जकात । इनमें से कोई एक दूसरे की भरपाई नहीं कर सकता । चारों ही अलग अलग फर्ज.हैं । कोई भी मुस्लिम जब बालिग हो जाए और हज करने के लायक स्वास्थ्य और आमदनी हो तो हज तुरन्त फर्ज. हो जाती है । अल्लाह ने औरंगजेब को 96 साल की लम्बी उम्र दी, बचपन से बुढ़ापे तक तंदुरुस्त रखा । पहले शाहजादा फिर बादशाह बनाया । हज में दुनियावी मसायल की वजह से कोई माफी नहीं है । अगर सामर्थ्यवान होते हुए भी 96 साल की उम्र तक औरंगजेब हज नहीं करता तो या तो उसका हज के फर्ज.होने पर ईमान नहीं है या उसे ईश्वर पर भरोसा नहीं है कि वह हज करने गया तो वापस उसकी गद्दी उसे मिलेगी या नहीं । उसका पंजवक्ता नमाजी होना और टोपियाँ सिल कर रोजी कमाना सब बेकार गया । हज को महत्व न देना और उसको टालना दोनों ही गुनाहे कबीरा यानी घोर पाप हैं । देश में सीएए-एनआरसी के मुद्दे पर हुए दंगो के बाद तारिक फतेह ने कहा था, 'हर वह व्यक्ति हिंदू है, जो हिंदुस्तान के इतिहास और परंपरा की मिल्कियत रखता है।' मुस्लिम समुदाय में तारिक फतेह जैसा बोल्ड और जीनियस लेखक या विचारक मिलना मुश्किल है। इस्लाम की कट्टरता के विरुद्ध बिगुल फूंकने वाला, पाकिस्तान के आतंकवाद-प्रेम पर मुखर होकर निरंतर प्रहार करने वाला कोई दूसरा मुस्लिम लेखक या विचारक मिलना मुश्किल है। इस्लाम सहित तमाम मुद्दों पर मुखर रूप से बोलने वाले तारिक फतेह टीवी डिबेट में अक्सर खुद को हिंदुस्तानी बताते थे और हमेशा सिंध और हिंद का कनेक्शन जोड़ते थे। तारिक फतेह पाकिस्तान के विचार को खारिज करते थे। वे मानते थे कि देश का बंटवारा नहीं होना चाहिए था। दुर्भाग्य यह है कि उनकी मौत का कुछ कथित प्रगतिशील और कठमुल्ले जश्न मना रहे हैं। अगर आपको यकीन न हो तो सोशल मीडिया पर चले जाइये। वहां पर आपको तारिक फतेह को लेकर तमाम तरह की ओछी टिप्पणियां पढ़ने को मिलेंगी। तारिक फतेह धार्मिक अतिवाद के खिलाफ बोलने और एक उदारवादी इस्लाम के पक्ष को बढ़ावा देने के लिये प्रसिद्ध थे। उन्होंने 'यहूदी मेरे दुश्मन नहीं हैं' नाम से एक पुस्तक भी लिखी। पाकिस्तान में बलूचों के आंदोलनों के समर्थक भी रहे। बलूचिस्तान में मानवाधिकारों के हनन और पाकिस्तान द्वारा बलूचों पर की जा रही ज्यादतियों के विषय पर भी बोलते और लिखते रहे। तारिक फतेह मुस्लिम इतिहास के भी प्रकांड विद्वान थे, जिस कारण तर्को और तथ्यों में उन्हें पराजित करना किसी के लिये नामुमकिन था। तारिक फतेह कोराना काल से पहले मेरे राजधानी के हुमायूं रोड के सरकारी आवास में भी कई बार पधारे। उनसे कई अहम मसलों पर चर्चा हुई। वे बहुत बुद्धिमान व्यक्ति थे। वे पाकिस्तान के शहर कराची में जन्मे थे और 1987 से कनाडा में रहने लगे। तारिक फतेह आप वाकई पंजाब के शेर और हिंदुस्तान के बेटे थे, जैसा कि आपकी बिटिया नताशा ने कहा है। तारिक फतेह ने एक बार मुझसे जानना चाहा कि क्या सच है कि बहरत के संविधान की मूल प्रति पर हडप्पा और मोहन जोदड़ों के चित्र हैं। मैंने कहा कि मेरे पास संविधान की मूल प्रति है आपको नन्द लाल बसु की हडप्पा और मोहन जोदडे की पेंटिंग दिखाता हूँ मैंने जब उन्हें संविधान की मूल प्रति पर हडप्पा और मोहन जोदडे की पेंटिंग दिखाई तो वे भावुक हो उठे और उनकी आँखों से आंसू निकल पड़े तारिक फतेह किसी टीवी के कार्यक्रम में सिंध का इतिहास, पंजाब का इतिहास, पाकिस्तान के वजूद और यूपी के मुसलमानों की बात अवश्य करते थे। वे बार-बार कहते थे कि पाकिस्तान के पंजाबियों पर उर्दू भारत से पाकिस्तान गए मुसलमानों ने थोपी। इस वजह से उनसे भारत और पाकिस्तान का एक तबका खफा रहता था। यह सच है कि पंजाबियों पर उर्दू थोपी गई। चूंकि वे एक बेखौफ साहसी लेखक थे और खुलकर अपनी राय का इजहार करते थे इसलिए उनकी जान के दुश्मन भी कम नहीं थे। उन्हें जान से मारने की धमकियां मिलती रहती थीं। उन्हें 'सर तन से जुदा' जैसी धमकियां भी लगातार ही मिल रही थीं। कुछ समय पहले तारिक फतेह ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक 'ट्विटर स्पेस' का स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए लिखा था कि एक सज्जन ने ग्रुप बनाया है जो मेरा सिर कलम (सर तन से जुदा) करने की योजना बना रहा है। तारिक फतेह के न रहने से आज दुनिया ने एक सच्चा लेखक खो दिया है। उनकी जब याद आएगी तो फैज अहमद फैज का यह शेर ह्यकर रहा था गम-ए-जहाँ का हिसाब आज तुम याद बे-हिसाब आए याद कर ही उनके प्रशंसकों का सहारा बनेगा ।

षड्यंत्र और राजनीति का हिस्सा धर्म परिवर्तन

डॉ प्रियंका सौरभ

आस्था परिवर्तन हृदय का विषय है। आप राजनीतिक भाषा शैली और ऐसे प्रतीकों को अपनाकर किसी के अंतर्मन नहीं बदल सकते। गांधी जी इसी कारण धर्म परिवर्तन के विरुद्ध थे। उनका मानना था कि समाज सुधार के काम में धर्म परिवर्तन की भूमिका नहीं है। जाहिर है, धर्म परिवर्तन के पीछे दिए गए तर्कों को स्वीकार करना कठिन है। धर्म के अधिकार में धोखाधड़ी, धोखे, जबरदस्ती, लालच और अन्य तरीकों से अन्य लोगों को धर्मांतरित करने का अधिकार शामिल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक आदेश में बाधा डालने के अलावा, धोखाधड़ी या प्रेरित धर्मांतरण अंतरात्मा की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसलिए, बलपूर्वक धर्मांतरण को विनियमित/प्रतिबंधित करने के लिए राज्य अपनी शक्ति के भीतर अच्छी तरह से है। भारत में, कोई भी कानून यह प्रतिबंधित नहीं करता है कि कौन से धर्म एक दूसरे में परिवर्तित हो सकते हैं ।भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें अपना धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। हालाँकि, भारत में धर्म परिवर्तन के लिए कोई कानूनी बाधाएँ नहीं हैं, लेकिन सामाजिक बाधाएँ अक्सर होती हैं। स्वतंत्रता भारतीय संविधान में परिकल्पित मौलिक अधिकार है। धर्म की स्वतंत्रता उन अधिकारों में से एक है जिन पर मौलिक स्तंभ आधारित है। भारत में, धर्म जीवन के हर पहलू में एक भूमिका निभाते हैं लेकिन साथ ही धर्म व्यक्ति के लिए है। किसी भी धर्म को दिल और पेशे से चुनना किसी भी कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी धर्मांतरण विरोधी कानून अन्यथा "किसी भी धर्म को चुनने और मानने की स्वतंत्रता" के मूल सिद्धांत को कम कर देगा और संविधान की भावना के खिलाफ जाएगा। इसके अलावा, भारत जैसे देश में जहां धर्मनिरपेक्षता प्रस्तावना का एक तत्व है, वास्तव में जिस चीज की जरूरत है वह समाज के कमजोर और कमजोर वर्गों की रक्षा करना है, जिन्हें कभी-कभी अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। कभी-कभी लोग अपनी खुशहाली बनाए रखने के लिए सामाजिक परिस्थितियों में अपना धर्म बदल लेते हैं और अगर इस तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो यह उन पर गंभीर प्रभाव डालेगा। ऐसे कानूनों की कई कानूनी विद्वानों ने तीखी आलोचना की है जिन्होंने तर्क दिया था कि 'लव जिहाद' की अवधारणा का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 21 की ओर इशारा किया है जो व्यक्तियों को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने के अधिकार की गारंटी देता है। साथ ही, अनुच्छेद 25 के तहत, विवेक की स्वतंत्रता, किसी भी धर्म का पालन न करने सहित अपनी पसंद के धर्म के अभ्यास और रूपांतरण की भी गारंटी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई निर्णयों में यह माना है कि राज्य और अदालतों के पास जीवन साथी चुनने के वयस्क के पूर्ण अधिकार पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। लिली थॉमस और सरला मुद्गल दोनों ही मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की है कि बिना किसी प्रामाणिक विश्वास के और कुछ कानूनी लाभ प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य के लिए किए गए धार्मिक रूपांतरण में दम नहीं है। सलामत अंसारी-प्रियंका खरवार इलाहाबाद उच्च न्यायालय 2020 का मामला: एक साथी चुनने या पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का अधिकार नागरिक के जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का हिस्सा था। मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 में उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना विश्वास बदलने सहित धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है। चूंकि यह एक राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र अनुबंध खेती आदि पर मॉडल कानून जैसे मॉडल कानून बना सकता है। धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते समय राज्यों को उस व्यक्ति के लिए कोई अस्पष्ट या अस्पष्ट प्रावधान नहीं रखना चाहिए जो अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन करना चाहता है। धर्मांतरण विरोधी कानूनों में अल्पसंख्यक समुदाय संस्थानों द्वारा धर्मांतरण के लिए वैध कदमों का उल्लेख करने का प्रावधान भी शामिल करने की आवश्यकता है। कोई अपनी इच्छा से किसी दूसरे धर्म को अपनाए यह उसका विषय है लेकिन सामूहिक रूप से लोगों को भड़का कर धर्म परिवर्तन को आक्रामक रैली में परिणत करना भयावह दृश्य उत्पन्न करता है । इससे समाज और देश का केवल अहित ही होगा।

फटा पोस्टर निकला हीरो

डॉ. सुरेश कुमार

मेरे एक मित्र हैं। पढ़े तो आठवीं तक हैं, वह भी तीन-तीन बार। घर वालों को जब लगा कि उनका कुछ नहीं हो सकता तो किसी पोस्टर बनाने वाले की दुकान पर लगवा दिया। पोस्टरों की सबसे ज्यादा जरूरत झूठों और मक्कारों को होती है। इसलिए वहाँ राजनैतिक दलों के लोगों की चहलकदमी अधिक थी। झूठ का व्यापार इतना हाई-फाई था कि वहाँ कारों का तांता लगा रहता था। जबकि दुकान के ठीक सामने कड़ी धूप में ईमानदारी से अमरूद बेचने वाली बुढ़िया जस की तस बैठी रहती थी। एक ही सड़क पर दो नजारे - झूठ कार में और सच पसीना पोछता पैदल चलता हुआ दिखाई देता था। फटे पोस्टर से मुखवाले मित्र को चकाचौंध पसंद आ गई। वह नेताई गुर सीख बैठा। शामिल हो गया किसी नागनाथ-सांपनाथ पार्टी में और डंसने लगा सभी को। अब आए दिन किसी न किसी घटना को लेकर समाचार पत्र में उसकी तस्वीरें छपती रहती थीं। एक दिन वह मेरे पास आया। साथ में लाए लिफाफे में से कोई कागजात निकालते हुए मेरे हाथों थमा दिया। भारी-भरकम अंग्रेजी में कोर्ट कचहरी से उसके नाम बुलावा आया था। मैं पढ़ते हुए घबरा रहा था वह सुनते हुए मुस्कुरा रहा था। वह मेरे हाथों से कागजात लेते हुए कहने लगा - तुम अच्छा पढ़ लेते हो। देखकर अच्छा लगता है। पढ़े-लिखे न होते तो तुम्हें कहीं चुनाव में लड़वाकर माला पहनवा देता। दुर्भाग्य से तुम पीएच.डी हो। फलां राज्य में चपरासी की भर्ती निकली है। बीस हजार पीएच.डी. धारियों ने आवेदन किया है, तुम भी कर दो। किसे पता तुम्हें ही मिल जाए। जैसी तुम्हारी माली हालत है उसमें चपरासी की नौकरी भी बहुत है। मुझे तुम पर दया आती है। हिसाब से देखा जाए तो कुर्सी-मोह और माला-मंच का हकदार वही होता है जो पढ़ाई छोड़ दे और भड़काऊ भाषण के लिए मुँह को काम दे। जो कि तुमसे होगा नहीं। पता नहीं ये लेख-फेख लिखने से तुम्हें क्या पैसे मिलते होंगे। अच्छा होगा कि हमारी रैलियों में शामिल हो जाओ। एक बिरयानी पैकेट, पाँच सौ रुपए और पौवा अलग से। अच्छा लगे तो बता देना। अब मैं चलता हूँ। मैंने उसे रोकते हुए कहा झ अब आ ही गए हो तो नाश्ता-वाश्ता करके जाते। इतना सुनना था कि वह मुझ पर बरस पड़ा झ न बाबा न। मुझे पता है तुम नाश्ते में सूखी पाव रोटी खाते हो। कभी मैं भी ऐसी बेकार चीजें खाता था। अब मैं सिर्फ और सिर्फ शुद्ध घी और बादाम लेता हूँ।

न्यूज झरोखा

सब्जी मंडी में भीषण आग से 15 दुकानें जलकर राख तकरीबन एक करोड की हुई क्षति

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। सीतापुर सब्जी मंडी में भीषण आग लगने से आसपास के दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। 15 से अधिक दुकानें जलकर राख हो गईं। दुकानों में रखा आलू, सेब, केला सब जल गया। लोगों ने पुलिस और दमकल को फोन से सूचना दी। ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए। मौके पर पुलिस बल व दमकल टीम आग बुझा रही है।

ये अग्निकांड बुधवार को दोपहर 12 बजे हुआ। बताया गया कि सीतापुर स्थिल सब्जी मंडी में अज्ञात कारणों से आग लगने से दमकल की दो गाडियां मौके पर आग बुझाने में जुटी हैं। तकरीबल डेढ़ घंटे से लगी आग को दमकल टीम स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। अभी तक आग लगी हुई है। सब्जी व्यापारियों ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि सीतापुर कस्बे में भी दमकल गाडियां रहनी चाहिए, ताकि अग्निकांड होने पर तत्काल आग बुझाई जा सके।

सब्जी मंडी व्यापारी नफीस खान ने बताया कि अग्निकांड से लगभग एक करोड़ की क्षति हो गई है। पुलिस ने रास्ता रोककर आग बुझाने का कार्य कर रही है। इस बाबत कर्वी कोतवाल गुलाबचंद त्रिपाठी ने बताया कि आग बुझाने में पुलिस व दमकल गाड़ियां लगी हैं। अभी तक क्षति का आंकलन नहीं किया गया। आग लगने के कारणों का भी पता किया जा रहा है। आग लगने का ठोस कारण पता नहीं चल सका।

दो के कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही के क्रम में कर्वी कोतवाल गुलाब त्रिपाठी की अगुवाई में पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से तमंचा व तीन कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया है।

बुधवार को चैकी प्रभारी जिला कारागार श्यामदेव सिंह की टीम ने हरीशचन्द्र पुत्र गजराज निवासी रगौली को तमंचा व कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ कोतवाली कर्वी में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में चैकी प्रभारी श्यामदेव सिंह, सिपाही शिवपूजन यादव शामिल रहे।

इसी क्रम में कोतवाली कर्वी के दरोगा राधेश्याम सिंह की टीम ने नानबच्चा पुत्र लोटन केवट निवासी नई दुनिया के कब्जे से एक तमंचा व दो कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्जकर जेल भेजा है। टीम में दरोगा राधेश्याम सिंह, सिपाही राहुल देव व रोहित यादव शामिल रहे।

पुलिस ने दम्पति के आपसी विवाद को कराया समाप्त

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने को जारी प्रयास के क्रम में परिक्रमा चैकी पुलिस टीम ने दम्पति के आपसी विवाद को समाप्त कराकर शादी के अटूट बंधन को टूटने से बचाया।

बुधवार को कोतवाली कर्वी के छपरामाफी गांव की श्रीमती भावना पत्नी घनश्याम ने परिक्रमा चैकी में पत्र देकर कहा था कि उसके पति घनश्याम आये दिन विवाद कर घर में नही रखते। चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग हरिश्चंद्र मिश्रा ने शिकायतकर्ता महिला की शिकायतों को समझकर दूसरे पक्ष को चैकी बुलाया। दोनो पक्षों को समझाकर भविष्य में आपस में विवाद न करने व पति/पत्नी के कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग ने दोनों को तालमेल से रहने की सलाह दी। टीम में चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग हरिश्चंद्र मिश्रा, महिला सिपाही सोनी मिश्रा शामिल रहीं।

21 मई को लगेगी लोक अदालत

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 13 मई के स्थान पर 21 मई रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी। ये निर्देश उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निदेर्शानुसार किया गया है। बुधवार को उन्होंने बताया कि 13 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए निर्देशित किया था, परंतु उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के चलते 13 मई के स्थान पर 21 मई रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी।

28 को होगी प्रत्याशियों की बैठक

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि नगर निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने को आयोग ने प्रत्याशियों के लिए निर्धारित व्यय सीमा के नियंत्रण को जिले में नगरीय निकाय निर्वाचन को उम्मीदवारों को निर्वाचन व्यय लेखा तैयार करने को 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक होगी।

बुधवार को उन्होंने बताया कि शाम चार से पांच बजे तक नगर पालिका परिषद कर्वी व नगर पंचायत मानिकपुर एवं शाम 5 से 6 बजे तक नगर पंचायत मऊ व नगर पंचायत राजापुर के उम्मीदवारों की बैठक की जाएगी। नगर निकाय चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी इस बैठक में निर्धारित समय से मौजूद रहें।

हाई स्कूल में नंबर कम आने पर किशोर ने लगाई फाँसी, हुई मौत

कदौरा, जालौन। थाना क्षेत्र के हाँसा में उस समय हड़कम्प मच गया जब एक होनहार किशोर ने फांसी लगाकर जान दे दी।

जानकारी के अनुसार इंदीप अहिरवार पुत्र रमेश अहिरवार उम्र 16 वर्ष वीर सिंह इंटर कालेज का छात्र था। उसने हाई स्कूल के पेपर दिए थे। उसे उम्मीद थी कि वह अच्छे नंबरों से पास होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोपहर बाद जब बोर्ड का रिजल्ट आया तो उक्त किशोर के 57 % नम्बर आये, लेकिन वह खुश नहीं हुआ और वह मानसिक अवसाद में चला गया और अपने भूसा वाले घर में गया और उसने रस्सी से फंदा डालकर फांसी लगा ली।

जब काफी देर तक इंदीप नही दिखा तो परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। जब परिजनों ने उसे भूसा वाले घर में देखा तो इंदीप का शव लकड़ी की वल्ली में लटक रहा था। यह देख परिजनों में चीख पुकार मच गई और तुंरन्त पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुची पुलिस ने वल्ली में लटक रहे शव को नीचे उतारा और प्राथमिक जांच पड़ताल कर शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

एनडीआरएफ टीम ने मानिकपुर तहसील में बच्चों को सिखाये आपदा प्रबंधन के गुण

अखंड भारत संदेश
मानिकपुर/चित्रकूट। 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ वाराणसी के डीआईजी मनोज कुमार शर्मा के निर्देश पर जिले में आई एनडीआरएफ टीम ने मानिकपुर तहसील का भ्रमण किया। टीम ने आपदा की बाबत तहसील स्तर से जानकारी ली। आपदा जोखिम को विभिन्न संसाधनों और हितकार्य को सशक्त बनाने को जन-जागरूकता अभियान चलाया।

बुधवार को जिला मुख्यालय पहुंची एनडीआरएफ टीम ने मानिकपुर तहसील के आदर्श इंटर कॉलेज में आपदा की बाबत प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम ने भूकंप, बाढ़ से बचाव के तरीके, फायर सेफ्टी, आकाशीय बिजली से बचाव, सीपीआर गले में फंसी बाहरी वस्तु निकालने के तरीके, रक्तस्राव प्रबंधन, उपलब्ध संसाधनों से स्ट्रेचर बनाना, उपलब्ध संसाधनों से फ्लोटिंग डिवाइस (राफ्ट) बनाना एवं स्कूल सुरक्षा ड्रिल के साथ दामिनी ऐप के उपयोग एवं इंस्टॉलेशन के बारे में प्रशिक्षण दिया। वर्तमान समय में बढ़ रही भीषण गर्मी और लू से बचाव के तरीकों के बारे में भी बताया। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने को टीम ने स्कूल के बच्चों और स्टाफ को जल संरक्षण, वृक्षारोपण के महत्व पर रोशनी डाली। अभियान को अपने जीवन में ढालने को प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में आदर्श इंटर कॉलेज मानिकपुर के बच्चों एवं शिक्षकों व कर्मचारियों ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। राहत बचाव की बारीकियों को जाना। प्रधानाचार्य राजेश प्रताप सिंह चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। टीम की अगुवाई इं रितेश कुमार एवं सहयोगी सहायक उप निरीक्षक रमेश चंद्र, सहायक उप निरीक्षक इंद्रजीत यादव एवं टीम के सदस्यों ने प्रशिक्षण दिया। जिला प्रशासन की ओर से आपदा विशेषज्ञ राहुल कुमार ने टीम का सहयोग किया।

11 व 13 मई को बन्द रहेंगी शराब दुकानें: डीएम

शराब एकत्र करने पर भी होगी कार्यवाही

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक आनन्द ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में नगर निकाय चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र व निर्विघ्न सम्पन्न कराने को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा के तहत मतदान की समाप्ति के 48 घंटे पहले से व मतदान समाप्त होने तक तथा मतगणना के दिन जिले की सभी शराब की दुकानें पूर्णतया बन्द रखी जायेंगी। बुधवार को जिला मजिस्टेज्ट ने चुनाव आयोग के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी को आदेश दिया है कि जिले की सभी आबकारी की शराब दुकानें, होटल, रेस्त्रां, क्लब और शराब बेचने तथा वितरण करने के अन्य संस्थानों को अनुमति नहीं दी जाएगी। नगर निकाय चुनाव मतदान एवं मतगणना के दिन मद्य निषेध घोषित कर लोकशांति बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने की गरज से संयुक्त आबकारी अधिनियम 1910 की धारा 59 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए चार मई को प्रयागराज, फतेहपुर व कौशांबी की सीमा से आठ किमी की परिधि के जिले चित्रकूट की सभी शराब दुकानें दो मई को शाम छह बजे से चार मई शाम छह बजे तक अथवा मतदान समाप्ति तक पूरी तरह बंद रहेंगी। दूसरे चरण के मतदान 11 मई को जिले की सभी शराब दुकानें आठ किमी परिधि में बांदा व मप्र राज्य के जिला रीवा, सतना की सभी दुकानें नौ मई की शाम छह बजे से 11 मई की शाम छह बजे तक अथवा मतदान समाप्ति तक पूरी तरह बंद रहेंगी।

उन्होंने बताया कि 13 मई को मतगणना के दिन व 12 मई को शाम छह बजे तक मतगणना समाप्ति को रात 12 बजे तक पूरी तरह बंद रहेंगी। इस बंदी का कोई प्रतिफल ठेकेदारों को देय नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार के मादक पदार्थों का न तो संचय करेगा और न वितरण करेगा। न ही लेकर चलेगा। उल्लंघन की दशा में दोषी लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कार्यवाही की जायेगी।

पांच के कब्जे से 100 लीटर महुआ-20 क्वार्टर देशी शराब बरामद

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान के क्रम में पुलिस ने पांच लोगों के कब्जे से सौ लीटर महुआ शराब व 20 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है।

बुधवार को चैकी प्रभारी सीतापुर जनार्दन प्रताप सिंह की टीम ने फूलचन्द्र पुत्र छोटेलाल निवासी कपसेठी के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मतामला दर्ज किया। टीम में चैकी प्रभारी सीतापुर जनार्दन प्रताप सिंह, सिपाही अभिषेक प्रताप सिंह, सिपाही सोमदेव, शुभम शर्मा शामिल रहे।

इसी क्रम में राजापुर थाने के वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने रामकिशोर धोबी पुत्र समरिया निवासी माधवगंज कस्बा राजापुर के कब्जे से दस लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा रामवीर सिंह, सिपाही उमेन्द्र त्रिपाठी शामिल रहे।

राजापुर थाने के दरोगा काशीनाथ यादव की टीम ने जयलाल निषाद पुत्र रामचरण निवासी गोरा थाना मऊ के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा काशीनाथ यादव, सिपाही मनोज कुमार शामिल रहे।

मऊ थाने के दरोगा इंद्रजीत गौतम की टीम ने राम खेलावन निषाद पुत्र नत्थू निषाद निवासी कटैया खादर के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब एवं शराब बनाने के उपकरण समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा इंद्रजीत गौतम, सिपाही राहुल पांडेय, महिला सिपाही शिखा सिंह शामिल रहे।

मऊ थाने के दरोगा गंगाचरन प्रजापति की टीम ने सुमैना पत्नी गंगा प्रसाद निवासी कटैया खादर के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब एवं शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा गंगाचरन प्रजापति, दीवान जुबैर अली, महिला सिपाही प्रियंका तिवारी शामिल रहीं।

तेंदू पत्ता संग्रहण को क्षेत्रीय प्रबंधक ने दी तकनीकी जानकारी

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। तेंदू पत्ता संग्रहण सीजन में कार्य शुरू करने को प्रभागीय लौंगिक प्रबंधक कार्यालय में हुई बैठक में तेंदू पत्ता ढुलान व अन्य तकनीकी विषयों की बाबत प्रशिक्षण दिया गया।

बुधवार को प्रशिक्षण शिविर में क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ क्षेत्र बीके मिश्र की मौजूदगी में प्रभागीय लौंगिक प्रबंधक श्यामराज राम, सेक्सन अधिकारी मारकुण्डी अशोक कुमार सिंह, सेक्सन अधिकारी बरगढ, अक्षय कुमार द्विवेदी व विभाग के अन्य सेक्सन अधिकारी व स्टोर प्रभारी एसएन त्रिपाठी तथा अधिष्ठान प्रभारी शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी समेत सभी इकाई अधिकारी ने प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया।

अधिकारी-कर्मचारियों को क्षेत्रीय प्रबंधक बीके मिश्र ने उच्चतम गुणवत्ता वाले तेंदू पत्ता खरीदने, प्रत्येक गड्डी में बीडी बनाने योग्य पचास पत्ते सुनिश्चित करने, श्रमिकों को भुगतान समय से कराने तथा अन्य विषयों पर मार्गदर्शन दिया। प्रभागीय लौंगिक प्रबंधक श्यामराज राम ने कहा कि तेंदू पत्ता की प्रारम्भिक तैयारी, फड चयन, फड मुंशी का चयन, तेंदू पत्ता की सुरक्षा एवं चोरी को रोकना, तेंदू पत्ता क्रय किये जाने की प्रक्रिया, अभिलेखों में प्रविष्टि करना, ब्लाक बनाना, ब्लाक में गड्डी फैलाना और श्रमिकों के भुगतान की प्रक्रिया आदि बिन्दुओं की जानकारी दी। स्टोर प्रभारी एसएन त्रिपाठी ने तेंद पत्ता संग्रह कार्य में प्रयोग करने वाले प्रपत्रों एवं फील्ड में फार्म में प्रविष्टियों के सम्बन्ध में तकनीकी जानकारी इकाई व सेक्सन अधिकारियों को दिया। भंडार सामग्री के वितरण के बारे में बताया। उन्होंने इस वर्ष का तेंदू पत्ता संग्रहण लक्ष्य तीस हजार मानक बोरा रखा है।

भाजपा प्रत्याशी ने विकास के नाम पर मांगे वोट

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। भाजपा नगर पालिका कर्वी से प्रत्याशी नरेन्द्र गुप्ता ने खोही, चितरा, तुलसीनगर, खटकाना मोहल्ला मे घर-घर जनसंपर्क किया। जनसम्पर्क दौरान भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि पिछले कार्यकाल में शहर मे कई स्तर के विकास के कार्य किये गये हैं। शहर में जल निकासी की भारी समस्या थी, जिसे दूर किया गया।

बुधवार को भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि चैराहो का चैडीकरण, पार्को का निर्माण, जगह-जगह शौचालयों का निर्माण कराया गया है। आगे भी वह भरपूर प्रयास करेंगे कि शहर में विकास की रफ्तार तेजी से बढे। सभी मिलकर भाजपा को जितायें, ताकि नगर पालिका कर्वी एक आदर्श नगर पालिका के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। उनका प्रयास रहेगा कि नगर के मोहल्लों में जो काम रह गये है, उन्हें पूरा कर सकूं। पं दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के अनुसार आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति को विकास की रोशनी दी जा सके।

उन्होंने नये जुडे क्षेत्र जो ग्राम पंचायत से जुडे होने के कारण शहरो वाली सुविधाएं नही मिल पाती थी, इस बार इन वार्डो मे युद्ध स्तर पर काम किया जायेगा। हर शहरी सुविधायें दी जायेगी। जिला प्रभारी देवेश कोरी ने कहा की अयोध्या, काशी के तर्ज पर चित्रकूट का विकास किया जायेगा। मुख्यमंत्री के विशेष जिलों में चित्रकूट का नाम है। यहां विकास के सारे काम किये जायेंगे। चित्रकूट को देश में ही नही विश्व के मानचित्र मे लाने का काम किया जायेगा।

जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने जनसम्पर्क दौरान सभी से भाजपा से चेयरमैन प्रत्याशी नरेन्द्र गुप्ता व सभासद के प्रत्याशियों के पक्ष मे मतदान करने की अपील की। जिला मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी ने 11 मई को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की। जनसम्पर्क में आलोक पांडे, पंकज अग्रवाल, हीरो मिश्रा, अश्वनी अवस्थी, उज्वल गुप्ता, गोलू गुप्ता, राजेश्वरी द्विवेदी, सुमित मिश्रा, श्रवण पटेल, तेजीलाल वर्मा, गुड्डु साहू, विनय तिवारी, सुमित मिश्रा, विष्णु चैधरी आदि मौजूद रहे।

मानव सेवा को श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट को मिला दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान मुम्बई ने विशिष्ट अवार्ड समारोह में पं दीनानाथ के पुत्र एवं महान गायिका लता मंगेशकर, आशा भोसले के भाई हृदयनाथ मंगेशकर ने संत रणछोड़दास जी महाराज के स्थापित एवं नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में विश्व विख्यात श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट को सामाजिक कार्यों एवं मानव सेवा के लिए श्री दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड से ट्रस्ट के अध्यक्ष विशद भाई मफतलाल एवं उनकी धर्मपत्नी रूपल बेन मफतलाल को पुरस्कृत किया।

बुधवार को अध्यक्ष विशद भाई ने इस उपलब्धि पर पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा, समस्त ट्रस्टीगण, सद्गुरु परिवार के सदस्यों, कार्यकताओं तथा गुरुभाई-बहनों के सेवा कार्यों को श्रेय दिया।

मंगेशकर परिवार एवं स्मृति प्रतिष्ठान को इस अवॉर्ड के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं प्रशासक डा इलेश जैन ने मिले प्रसिद्ध अवार्ड के लिए खुशी जताते हुए बताया कि ये बहुत ही बड़ी उपलब्धि है, जो ट्रस्ट के कार्यों की बदौलत इतना बड़ा मंगेशकर अवॉर्ड से ट्रस्ट के अध्यक्ष विशद भाई मफत लाल और उनकी धर्मपत्नी को पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान ने मानव सेवा और समाज सेवा के लिए पुरस्कृत किया है।

इस बड़ी उपलब्धि के लिए उन्होंने समस्त सदगुरु परिवार, समस्त ट्रस्टीगण एवं समस्त गुरुभाई, भाई-बहनों को श्रेय दिया है। इस मौके पर गायिका आशा भोसले, मंगेशकर परिवार एवं समस्त फिल्मी हस्तियां मौजूद रही।

डीएम ने मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की

बिजनौर। जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दे दिए।

उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन एवं महात्मा विदुर जी की प्रतिमा का लोकापर्ण मा0 मुख्यमंत्री जी के करकमलों द्वारा किया जाना प्रस्तावित है, जिसके दृष्टिगत सभी निमार्ण कार्य निर्धारित समयावधि में पूरे किए जाने अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा विदुर के नाम से बनने वाले इस मेडिकल कॉलेज में उनकी प्रतिमा को बनावने एवं उसको स्थापित करने के लिए उनके द्वारा कई बार निर्देशित किया जा चुका है, परन्तु अभी तक प्रतिमा नहीं बनवाई गई।

पनामा में जयशंकर ने दिया भरोसा, ऊर्जा व खाद्य सुरक्षा के मामले में विकासशील देशों की करेंगे मदद

बलूचिस्तान। ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा दो ऐसी चुनौतियां हैं जिनका विकासशील देश मौजूदा समय में सामना कर रही है। इस पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर का मानना है कि आने वाले दिनों में भारत उन देशों के साथ मिलकर ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे मुद्दों पर साथ काम करेगा। जयशंकर सोमवार को गुयाना से पनामा पहुंचे थे। यहां वे चौथी भारत-एसआईसीए मंत्रीस्तरीय बैठक में शामिल हुए। द सेंट्रल अमेरिकन सिस्टम (एसआईसीए), मध्य अमेरिकी देशों का आर्थिक और राजनीतिक संगठन है। इस बैठक को संबोधित करते हुए जयशंकर ने एसआईसीए को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर भारत का समर्थन करने और मजबूत संबंध बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- 'विकासशील देश मौजूदा समय में ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे दो वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रही है। इसके अलावा विकास, व्यापार, निवेश, रोजगार, गरीबी में कटौती समेत खाद्य और ऊर्जा भी शामिल है।' जयशंकर ने कहा कि भारत को यकीन है कि बाजरा के वैश्विक उत्पादन में खाद्य सुरक्षा को संबोधित करने की क्षमता है। केवल खाद्य सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि पोषण सुरक्षा के लिए भी ये जरूरी है। इसमें आयरन, विटामिन और सूक्ष्म पोषक तत्व पाया जाता है। उन्होंने कहा- 'बाजरा कई सदियों से हमारी संस्कृति का हिस्सा बना हुआ है। यदि हम इसका उपयोग वापस से करना शुरू करते हैं तो निश्चित रूप से इससे दुनिया की बेहतर सेवा होगी।' जयशंकर ने बताया कि नया भारत एसआईसीए के साथ साझेदारी करना चाहता है। नया भारत एक डिजिटल डिलिवर है, स्टार्टअप्स के मामले में बहुत ज्यादा उत्साही है, फार्मसी, बढ़ती विनिर्माण शक्ति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मामले में भी आगे है।

चीन से बढ़ रहीं मॉस्को की नजदीकियां, अमेरिकी सांसद बोले- भारत रूस को नहीं मानेगा दोस्त

वाशिंगटन। यूक्रेन और रूस का युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं, मास्को और बीजिंग के बीच संबंध घनिष्ठ होते जा रहे हैं। ऐसे में भारतीय मूल के एक अमेरिकी सांसद ने कहा है कि चीन के साथ बढ़ते संबंधों को देखते हुए रूस को एक सुरक्षित मित्र नहीं समझा जा सकता है। सांसद रो खन्ना ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय अमेरिकियों का लक्ष्य रिश्ते को मजबूत करना होना चाहिए। बता दें, रो खन्ना कैलिफोर्निया के 17वीं कांग्रेसनल डिस्ट्रीक्ट से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता भारत एशिया में अपनी सीमा के संभावित आक्रमण के खिलाफ बचाव के लिए रूस को एक सुरक्षित मित्र के रूप में देखेगा। क्योंकि उसके रिश्ते लगातार चीन के साथ अच्छे और घनिष्ठ होते जा रहे हैं। भारतीय जानते हैं कि इस मामले में रूस से ज्यादा अमेरिका भरोसेमंद है। सांसद रो खन्ना ने कहा कि चीन के खिलाफ मजबूत रहने के लिए अमेरिका के साथ जुड़ना भारत के हित में है। यह भारतीय विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। गौरतलब है, भारत ने अभी तक यूक्रेन पर हुए रूसी आक्रमण की निंदा नहीं की है। साथ ही रूस के आक्रमण पर संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर हुई वोटिंग से भी दूर रहा। हालांकि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीति और बातचीत का माध्यम अपनाने की बात कर रहा है। कांग्रेशनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन के सह-अध्यक्ष खन्ना अमेरिकी संसद भवन में यूएस-इंडिया समिट की मेजबानी कर रहे हैं।

बढ़ती बदनामी के बीच फिर सफाई देने पर मजबूर हुई पाकिस्तान की सेना

काठमांडू। अपनी लगातार बढ़ रही बदनामी से परेशान पाकिस्तान की सेना को फिर से सफाई देनी पड़ी है। सेना के जन संपर्क विभाग की तरफ से आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा गया कि पाकिस्तान की सेना एक 'राष्ट्रीय सेना है' और उसकी नजर में सभी राजनेता और राजनीतिक दल 'सम्माननीय' हैं।हाल में एक पत्रकार ने अपने सूत्रों के हवाले से दावा किया पाकिस्तान के तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान को अंधेरे में रख कर कश्मीर के सवाल पर भारत के साथ समझौते की तैयारी कर ली थी। इससे पाकिस्तान की सेना नए सिरे से आलोचनाओं के केंद्र में आई है। प्रेस कांफ्रेंस में बाजवा के सेना पर जारी प्रभाव के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर इंटरसर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के प्रवक्ता ने कहा- 'हर व्यक्ति को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन सत्ता का असल केंद्र राष्ट्र है। प्रेस कांफ्रेंस को आईएसपीआर के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने संबोधित किया। आईएसपीआर के महानिदेशक पद संभालने के बाद चौधरी की यह पहली प्रेस कांफ्रेंस थी। मेजर जनरल चौधरी ने सफाई दी- 'सेना किसी विचारधारा या पार्टी का समर्थन नहीं करेगी।'

काबुल हवाई अड्डे पर 2021 में हुए विस्फोट के साजिशकर्ता को तालिबान ने मार गिराया

काबुल। काबुल हवाई अड्डे पर 2021 में हुए विस्फोट के मुख्य साजिशकर्ता को तालिबान ने मार गिराया है। इसके बाद अफगानिस्तान में तालिबान और इस्लामिक स्टेट के बीच घमासान बढ़ने की उम्मीद जाहिर की जा रही है। जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के दौरान अगस्त 2021 में काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती बम विस्फोट हआ था। इस विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिक और 170 अफगानिस्तानी नागरिक मारे गए थे। यह विस्फोट आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की साजिश का परिणाम था। पिछले दिनों इस साजिश के मुख्य साजिशकर्ता के मारे जाने की जानकारी सामने आई है। पता चला है कि तालिबान ने कार्रवाई करते हुए इस्लामिक स्टेट के एक आतंकवादी को मार गिराया है। उक्त आतंकवादी काबुल हवाईअड्डे पर हुए आत्मघाती बम विस्फोट का मुख्य साजिशकर्ता था।

जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के दौरान अगस्त 2021 में काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती बम विस्फोट हआ था। इस विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिक और 170 अफगानिस्तानी नागरिक मारे गए थे।

तालिबान ने यह जानकारी अमेरिका के साथ साझा की है। इसके बाद अमेरिकी सेना ने काबुल हवाईअड्डे के अब्बे गेट पर हुए आत्मघाती विस्फोट में मारे गए 11 नौसैनिकों, एक नाविक और एक सैनिक के माता-पिता को मुख्य साजिशकर्ता के मारे जाने के बारे में सूचित करना शुरू किया है। इन लोगों ने सोशल मीडिया पर एक निजी ग्रुप चैट में यह जानकारी साझा की। विस्फोट में जान गंवाने वाले एक नौसैनिक के पिता ने कहा कि बेटे के हत्यारे के मारे जाने की खबर सुनकर सुकून मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि यह उनकी ''नैतिक जिम्मेदारी'' है कि वे जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों को बताएं कि ''हमले का मुख्य साजिशकर्ता'' और ''हवाईअड्डे पर हमले के लिए जिम्मेदार व्यक्ति'' मारा गया है।

नेपाल में बारा-2 से जेएसपी अध्यक्ष उपेंद्र यादव जीते

काठमांडू। नेपाल की छठी शक्ति जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) के अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने प्रतिनिधि सभा के बारा-2 सीट के उपचुनाव में जीत हासिल की है । उन्होंने सीके राउत के नेतृत्व वाली जनमत पार्टी के प्रतिद्वंद्वी शिवचंद्र कुशवाहा को 5,081 से ज्यादा मतों के अंतर से हराया। बारा जिला निर्वाचन कार्यालय के प्रधान सरोज कुमार चौधरी ने बताया कि 23 अप्रैल को हुए संसदीय उप चुनाव के अंतिम परिणाम में यादव को 28,415 और कुशवाहा को 23,334 वोट मिले। केपी ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) के उम्मीदवार पुरुषोत्तम पौडेल को 10,216 वोट मिले।

बारा के तीन उम्मीदवारों को छोड़कर किसी को भी जमानत नहीं बची। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के उम्मीदवार रमेश खरेल को 2,829 और सांसद प्रभु साह के नेतृत्व वाली आम जनता पार्टी के अरुण कुमार ग्यावली को 2,738 वोट मिले। 20 नवंबर 2022 को हुए संसदीय चुनाव में सप्तरी 2 में उपेंद्र यादव को जनमत पार्टी के अध्यक्ष सीके राउत ने दोगुने से भी अधिक मतों के अंतर से हराया था। 23 अप्रैल को हुए उपचुनाव में बारा-2 में उन्होंने राउत की पार्टी के उम्मीदवार को हराया ।

पिछले साल हुए संसदीय चुनाव में बारा-2 से जेएसपी सांसद रामसहाय प्रसाद यादव के उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

ऑस्ट्रेलिया में 24 मई को होगी अमेरिकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री की मुलाकात

-क्वाड लीडर्स समिट में जापानी व ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री भी होंगे साथ

वाशिंगटन। अगले माह 24 मई को ऑस्ट्रेलिया में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात होगी। सिडनी में आयोजित क्वाड लीडर्स समिट मे उनके साथ जापानी प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीस भी होंगे। क्वाड चार देशों, भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का प्रमुख रणनीतिक मंच है। इसका प्राथमिक उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गो को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करना है। व्हाइट हाउस ने कहा है क्वाड लीडर्स समिट में

चारों देशों के नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि कैसे वे महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, वैश्विक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, समुद्री डोमेन जागरुकता और अन्य मुद्दों पर अपने सहयोग को गहरा कर सकते हैं, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लोगों के लिए मायने रखते हैं।

क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी इस बार ऑस्ट्रेलिया करेगा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने ऐलान किया कि ऑस्ट्रेलिया पहली बार 24 मई को सिडनी में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करेगा। क्वाड लीडरशिप समिट में हिस्सा लेने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री मोदी मई में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। क्वाड समूह के नेता इससे पहले चार मौकों पर मिल चुके हैं। टिकाऊ और समावेशी आर्थिक विकास में गहरी दिलचस्पी और क्वाड सदस्यों और गैर-क्वाड सदस्यों के बीच लोगों से लोगों के संपर्क बढ़ने के कारण इस क्षेत्र में समूह का महत्व बढ़ गया है।

जासूसी के शक में स्वीडन ने रूसी दूतावास के पांच कर्मियों को निकाला

स्टॉकहोम। स्वीडन ने रूस को सूचित किया कि स्टॉकहोम में रूसी दूतावास के पांच कर्मचारियों को उन पर जासूसी का संदेह होने के कारण देश छोड़ने के लिए कहा गया है।

विदेश मंत्री टोबियास बिलस्ट्रॉम ने कहा कि उनकी गतिविधियां उनकी राजनयिक स्थिति के साथ असंगत हैं। बिलस्ट्रॉम ने कहा कि स्वीडन में रूस के राजदूत विक्टर तातारिंत्सेव को निष्कासन के बारे में सूचित किया गया था।रिपोर्ट के अनुसार स्वीडिश सुरक्षा सेवा, जिसे एसएपीओ के नाम से जाना जाता है, को हाल ही में कई संदिग्ध रूसी खुफिया अधिकारियों के नामों की एक सूची मिली है। घरेलू सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि स्वीडन में हर तीसरा रूसी राजनयिक एक खुफिया अधिकारी है। स्वीडन ने एक साल पहले भी रूसी दूतावास के तीन कर्मचारियों को निष्कासित कर दिया था। करीब दो हफ्ते पहले पड़ोसी देश नॉर्वे ने कहा था कि वह देश से 15 रूसी राजनयिकों को निकाल रहा है और उन्हें जासूस बताया था।

घरेलू सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि स्वीडन में हर तीसरा रूसी राजनयिक एक खुफिया अधिकारी है। स्वीडन ने एक साल पहले भी रूसी दूतावास के तीन कर्मचारियों को निष्कासित कर दिया था।

सूडान में आपरेशन कावेरी शुरू, 278 भारतीयों का पहला जत्था जेद्दा के लिए रवाना

समुद्री मार्ग से भारतीयों के जद्दा पहुंचने के बाद विमान से लाया जाएगा भारत

- आईएनएस सुमेधा के बाद नौसेना का दूसरा पोत तेग भी पहुंच गया सूडान के तट

खार्तुम/नई दिल्ली। सूडान में हिंसा के बीच ऑपरेशन कावेरी के तहत 278 भारतीय नागरिकों का पहला जत्था आईएनएस सुमेधा से जेद्दा के लिए रवाना हो गया है। इसके साथ ही सूडान में 72 घंटे के युद्ध विराम के दौरान वहां फंसे भारतीय नागरिकों को आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई गई।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार ऑपरेशन कावेरी के तहत तीन हजार भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू किया है। नौ सेना का दूसरा जहाज आईएनएस तेग भी सूडान के तट पर पहुंच गया है। भारत ने सूडान में फंसे भारतीयों को को निकालने व राहत सामाग्री पहुंचाने के लिए सऊदी अरब के शहर जेद्दा में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। इस बीच विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन भारतीयों को निकालने के मिशन की निगरानी के लिए जेद्दा पहुंच चुके हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में बताया कि ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान में फंसे 278 भारतीयों का पहला जत्था आईएनएस सुमेधा से जेद्दा के लिए रवाना हो गया। जेद्दा से भारतीय नागरिकों को भारतीय वायु सेना के विमानों से देश लाया जाएगा।

एक अन्य ट्वीट में बागची ने

कहा कि भारतीयों को निकालने के लिए दूसरा आईएनएस तेग भी सूडान के तट पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कावेरी के तहत और भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए अधिकारियों के साथ आईएनएस तेग जरूरी राहत सामाग्री के साथ सूडान तट के दूतावास कैंप कार्यालय पर पहुंच गया है। सूडान में पिछले 12 दिनों से सेना और पैरामिलिट्री समूह के बीच भयंकर युद्ध में अबतक चार सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सूडान से भारतीयों को निकालने के लिए भारत के प्रयास से सेना और पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच 72 घंटे के युद्ध विराम पर सहमति बनी है।

विदेश राज्यमंत्री मुरलीधरन ने कहा कि भारतीयों को निकालने के लिए सूडान और जेद्दा में जरूरी तैयारी की गई है। जेद्दा पहुंचने पर उन्होंने यहां स्थापित नियंत्रण कक्ष का दौरा किया।

उल्लेखनीय है कि भारत ने हिंसाग्रस्त सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए सोमवार को ऑपरेशन कावेरी शुरू किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा था कि सूडान में फंसे हमारे नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू हो गया है। भारतीय जहाज और विमान भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए तैयार हैं।

बाइडेन ने फिर ठोकी 2024 राष्ट्रपति चुनाव की दावेदारी, कमला हैरिस भी होंगी साथ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर वर्ष 2024 के चुनाव में राष्ट्रपति के पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की। उपराष्ट्रपति पद के लिए भारतीय मूल की कमला हैरिस उनके साथ होंगी।

बाइडन ने कहा कि अमेरिकियों की हर पीढ़ी ने एक ऐसे क्षण का सामना किया है, जब उन्हें लोकतंत्र की रक्षा करनी है। हमारी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए खड़े होना है और हमारे मतदान के अधिकार और हमारे नागरिक अधिकारों के लिए खड़े होना है।मौजूदा उपराष्ट्रपति भारतीय-

अमेरिकी कमला हैरिस वर्ष 2024 में भी इस पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से दावेदारी पेश करेंगी। उनके प्रचार अभियान में कहा गया, जो और कमला फिर से चुनाव के लिए मैदान में हैं और इस बात के प्रसार के लिए हमें आपकी मदद की जरूरत है।

वीडियो में बाइडन ने वर्ष 2024 के चुनाव को रिपब्लिकन अतिवाद के खिलाफ लड़ाई करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें राष्ट्र के चरित्र को बहाल करने के लिए अपने संकल्प को पूरी तरह से साकार करने के वास्ते और समय चाहिए। उन्होंने वीडियो में कहा कि जब मैं चार साल पहले राष्ट्रपति पद के लिए खड़ा हुआ था, मैंने कहा था कि हम अमेरिका की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं और हम अब भी लड़ रहे हैं। हम जिस प्रश्न का सामना कर रहे हैं, वह यह है कि आने वाले वर्षों में हमारे पास अधिक स्वतंत्रता है या कम स्वतंत्रता, अधिक अधिकार हैं या कम। बाइडन ने कहा कि यह संतुष्ट होने का समय नहीं है। इसलिए मैं दोबारा चुनाव लड़ रहा हूं। बाइडन पिछले साल नवंबर में 80 साल के हो गए। अगर वह वर्ष 2024 में दोबारा चुने जाते हैं तो वह अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नवंबर में उन्हें चुनौती देने के लिए तैयारी कर रहे हैं। दो भारतीय अमेरिकी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी की दौड़ में हैं। उपराष्ट्रपति हैरिस ने अमेरिकियों से आग्रह किया कि वे लोकतंत्र के लिए लडने के वास्ते एक साथ आएं, प्रगति जारी रखें और सुनिश्चित करें कि सभी अमेरिकी आगे बढ़ सकें। हैरिस ने कहा कि राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी कर रहे रिपब्लिकन हमारे देश को पीछे की ओर ले जाना चाहते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। बाइडन की घोषणा से पहले एक बयान में ट्रंप ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ने विश्व स्तर पर हमारे राष्ट्र को पूरी तरह से अपमानित किया है। उन्होंने कहा कि रूस चीन के साथ हाथ मिला रहा है। ईरान परमाणु बम से कुछ दिन दूर है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

यूक्रेन के संग्रहालय पर रूस के हमले में दो की मौत, 10 घायल

कीव। रूसी सैन्य बलों ने यूक्रेन के शहर कुपियांस्क में एक संग्रहालय की इमारत पर ताबड़तोड़ मिसाइल दागीं। इस हमले दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूसी सेना ने खारकीव क्षेत्र में कुपियांस्क के संग्रहालय पर हमला करने के लिए एस-300 वायु रक्षा मिसाइल का इस्तेमाल किया। रूसी सेना ने हमला करने के लिए कई बार एस-300 का इस्तेमाल किया है, लेकिन यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली इसे नष्ट नहीं कर सकी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने घटनास्थल से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ध्वस्त हुई इमारत और आपातकालीन सेवा के कर्मियों को नुकसान का पता लगाते हुए दिखाया गया है। जेलेंस्की ने कहा कि आतंकी देश हमें पूरी तरह बर्बाद करने के लिए हर मुमकिन

प्रयास कर रहा है। हमारे इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारे लोगों पर निरंतर हमले किए जा रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि हमले में संग्रहालय के एक कर्मचारी की मौत हो गई। खारकीव के क्षेत्रीय गर्वनर ओलेह सिनेहुबोव ने कहा कि मलबे से एक और शव निकाला गया। सिनेहुबोव ने कहा कि तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि सात लोगों को मामूली चोट आई। हमले के शुरुआती दिनों में रूसी सेना ने कुपियांस्क पर कब्जा कर लिया था लेकिन सितंबर में यूक्रेन की सेना ने इस पर फिर से नियंत्रण बना लिया। यूक्रेन की सेना पश्चिमी देशों से हथियारों की नई आपूर्ति और सैनिकों को मिले प्रशिक्षण के कारण जवाबी हमले तेज कर रही है।यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक कुपियांस्क के नजदीक द्वोरिचना शहर में रूसी सैन्य बलों के हमले में एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।

यूक्रेन की सैन्य खुफिया सेवा के प्रमुख जनरल किरिलो बुदानोव ने जवाबी हमले को यूक्रेन के आधुनिक इतिहास में महत्वपूर्ण लड़ाई करार देते हुए कहा कि इससे देश कई अहम हिस्सों पर फिर से नियंत्रण स्थापित होगा।

उड़िया समुदाय की मदद से लंदन में बनेगा ब्रिटेन का पहला जगन्नाथ मंदिर

लंदन। ब्रिटेन के लंदन शहर में भगवान जगन्नाथ का पहला मंदिर उड़िया समुदाय की मदद से बनने जा रहा है। मंदिर निर्माण के लिए समुदाय ने 2.5 करोड़ पौंड देगा। मंदिर निर्माण का पहला चरण अगले साल के अंत तक पूरो हो जाएगा। चैरिटी कमीशन इन इंग्लैंड में पंजीकृत श्री जगन्नाथ सोसाइटी (एसजेएस), ब्रिटेन ने कहा कि वैश्विक भारतीय निवेशक विश्वनाथ पटनायक ने रविवार को लंदन में आयोजित पहले श्री जगन्नाथ सम्मेलन में यह संकल्प लिया। फिननेस्ट समूह के संस्थापक पटनायक और कंपनी के प्रबंध निदेशक अर्जुन कार परियोजना के प्रधान दानकर्ताओं में शामिल हैं। संगठन ने बयान में कहा कि इस अवसर पर घोषणा की कि बिश्वनाथ पटनायक ने लंदन में भगवान जगन्नाथ को समर्पित भव्य मंदिर के निर्माण के लिए 2.5 करोड़ पौंड देने का संकल्प लिया है, जो फिननेस्ट समूह की कंपनियों द्वारा दिया जाएगा।